छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

संकल्प

दिसम्बर 2024 | वर्ष 21 | अंक 05



रोजगार सेहत और ग्रीन एनर्जी का नया युग







'मेरा घर-पी.एम. सूर्यघर' अभियान का आगाज़



विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	नवम्बर 2024
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	135 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	14,247 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्र की संख्या	1 नग	4 नग
400 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	945 एमवीए	3,150 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	1,918 किमी
220 केवी उपकेन्द्र की संख्या	5 नग	27 नग
220 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,350 एमवीए	10,800 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4,171 किमी
132 केवी उपकेंद्र की संख्या	20 नग	104 नग
132 केवी उपकेंद्र की क्षमता	1,257 एमवीए	11,827 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,158 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्र की संख्या	248 नग	1,439 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	9,843 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	25,600.36 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्र की संख्या	29,692 नग	2,37,286 नग
11/04 केवी उपकेन्द्र की क्षमता	1,951 एमवीए	13,820 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,36,637.65 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,34,952 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	63,81,443
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4,009
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,67,637
अस्थायी पंपों की संख्या	–	1,99,604
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,588
अधिकतम मांग	1,334 मेगावॉट	6,372 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.की गृह पत्रिका

संकल्प

दिसम्बर 2024 | वर्ष - 21 | अंक-5

संरक्षक



डॉ. रोहित यादव IAS
मान. अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण कंपनी



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
वितरण कंपनी

संपादक



उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग - गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी,
छाया : संजय टेम्बे
कार्यालय सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर

फोन : 0771-2574702, 98936-24511
E-mail : procsphcl@gmail.com, powercomu01@gmail.com

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के लिए, कार्यालय अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) द्वारा प्रकाशित। प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 250 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है- मुद्रक : मयंक ऑफसेट प्रिंटर्स, रायपुर

क्रम



बिजली कंपनी मुख्यालय में जगमगाए सौगातों के दीये	02
ग्रीन एनर्जी के लिए एनटीपीसी एवं छ.ग. के बीच करार	07
हम बिजली ही नहीं, देश के लिए खिलाड़ी भी बनाते हैं	08
गुवाहाटी में विद्युत महिला खेल स्पर्धा में 8 पदक	10
परिचयावली	13
दीपावली की जगमग के पीछे जगराता बिजली अमले का	14
पारेषण क्षमता में विकास के नये प्रतिमान	12
सूचना सुरक्षा व साइबर आपदा प्रबंधन योजना को मंजूरी	17
मेरा संस्थान-मेरी शान : स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर, डंगनिया, रायपुर	20
पॉवर सेक्टर रॉउन्ड अप - 4	24
बिजली की कहानी - 2	28
जिला परिक्रमा : खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में अधोसंरचना विस्तार	31

बिजली कंपनी मुख्यालय में जगमगाए सौगातों के दीये

पहली बार आये मान. मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने खोला पिटारा



» 375 कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र
» 'मेरा घर -पीएम सूर्यघर' अभियान का आगाज
» रूफटॉप सोलर एक्सप्लोरर एप का विमोचन
» कैशलेस हेल्थ स्कीम के लिए 3 वर्षों का एम.ओ.यू.
» बिजली कर्मियों को बोनस की घोषणा
» महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता में वृद्धि



दीपावली के पहले, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज मुख्यालय के परिसर में, पहली बार पहुंचे माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सौगातों के दीप जला दिये। उन्होंने अपने ऊर्जावान व्यक्तित्व, सानिध्य और उद्बोधन से न केवल पॉवर कंपनियों के अधिकारियों-कर्मचारियों को बल्कि छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में बसे लोगों को उम्मीदों की नई रोशनी दी। श्री साय ने पॉवर कंपनियों को 375 कनिष्ठ यंत्रियों के कार्यबल की अति महत्वपूर्ण सौगात दी। उन्होंने विद्युत कर्मियों को 12 हजार रूपये तक बोनस/ एक्सग्रेसिया दीपावली के पूर्व देने की घोषणा की। साथ ही 'मेरा घर-पीएम सूर्यघर' जन-जागरण अभियान की शुरूआत की। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य दिया। श्री साय के प्रवास के दूसरे दिन ही कंपनी प्रबंधन द्वारा अतिरिक्त मंहगाई भत्ता तथा मकान किराया भत्ता में संशोधन का आदेश जारी कर दिया गया।

यह आयोजन 23 अक्टूबर को पॉवर कंपनी मुख्यालय के प्रांगण में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दीपावली का यह त्यौहार रोशनी का त्यौहार है, रोशनी बांटने का त्यौहार है, और विद्युत कर्मियों से बढ़कर भला ''रोशनी बांटने वाला'' कौन हो सकता है। उन्होंने कहा- मैं जानता हूं कि दीपावली के समय आप लोगों का काम बहुत बढ़ जाता है, लेकिन आपने हर ऐसे अवसर पर बहुत सुंदर तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। इस बार भी मुझे आपसे यही आशा है। श्री साय ने कहा कि विकास और ऊर्जा का आपस में गहरा नाता है। जैसे-जैसे विकास तेज होता है, वैसे-वैसे ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जाती है। देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इसी के अनुरूप हमने भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प लिया है। जाहिर है कि आने वाले दिनों में हमें प्रदेश के विकास के लिए पूरी क्षमता और पूरे उत्साह के साथ काम करना है। हमें राज्य की अधोसंरचना को मजबूत करते हुए एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। आने वाले दिनों में राज्य के कृषि और उद्योग के क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। ऐसे में हमें और भी अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होगी। श्री साय ने कहा कि राज्य की विद्युत कंपनियों पर आने वाले समय में दायित्वों का और अधिक भार होगा, इसे ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार सभी कंपनियों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। 375 कनिष्ठ अभियंताओं की नियुक्ति से जाहिर है कि आगे भी बिजली कंपनियों में अधिकारियों-कर्मचारियों की कमी नहीं होने दी जाएगी।

उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की जन-जागरण सामग्रियों का विमोचन तथा लोकार्पण किया। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए रूफटॉप सोलर एक्सप्लोरर एप का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों के घरों के आगे











लगने वाली नाम-पट्टिकाओं का वितरण भी कर रहे हैं। यह केवल योजना का लाभ उठाने वालों की नाम-पट्टिका नहीं है। यह प्रदेश के बिजली उत्पादकों की नाम पट्टिका भी है। वे न केवल अपनी जरूरतों की बिजली पैदा करेंगे अपितु अतिरिक्त बिजली का विक्रय कर बिजली विक्रेता भी बनेंगे। इससे हमारे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बिजली बिल से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी जबकि इससे आय भी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2027 तक पांच लाख घरों को रोशन करने का लक्ष्य रखा गया है। क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने के लिए ग्रीन एनर्जी समाधान की दिशा में यह छत्तीसगढ़ का बड़ा योगदान होगा। उर्जा उत्पादन में अभी छत्तीसगढ़ में ग्रीन एनर्जी का योगदान 15 प्रतिशत है इसे हमने बढ़ाकर 45 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही सोलर पैनल सप्लाई, इंस्टालेशन और मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। सौर ऊर्जा के अधिकाधिक इस्तेमाल से परंपरागत तरीकों से हो रहे उत्पादन पर आने वाला दबाव भी घटेगा तथा हम ग्रीन एनर्जी को अपनाने की दिशा में सतत बढ़ते रहेंगे। श्री साय ने कहा कि शासकीय भवनों में एवं सार्वजनिक स्थलों में हम अधिकाधिक रूप से सौर ऊर्जा को अपनाएंगे। प्रदेश में डेढ़ लाख से अधिक कृषि पंपों के माध्यम से सिंचाई सुविधा किसानों को उपलब्ध करा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल किया है।

स्वागत भाषण पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने दिया। उन्होंने कहा कि पॉवर कंपनी नई ऊर्जा के साथ काम कर रही है। ऐसे में नई नियुक्ति से उपभोक्ता सेवा के कार्य को और बेहतर किया जा सकेगा। कार्यक्रम अध्यक्ष सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पॉवर कंपनी में कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू की गई, वह काफी सराहनीय है, श्री अग्रवाल ने इसके लिए अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव को बधाई भी दी। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायकगण सर्वश्री पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, रोहित साहू उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री हेमंत वर्मा, पॉवर कंपनियों के प्रबंध निदेशकगण श्री एसके कटियार, श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा श्री भीमसिंह कंवर उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने किया। मंच संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

▪ 375 कनिष्ठ अभियंताओं को नियुक्तिपत्र

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में 17, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में 129, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में 229 कनिष्ठ यंत्रियों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी किए गए थे। चयन हेतु छत्तीसगढ़ शासन की संस्था व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के माध्यम से परीक्षा आयोजित की गई थी। व्यापक तौर पर पारदर्शिता तथा निष्पक्षता अपनाते हुए चयन प्रक्रिया पूरी की गई। चयनित उम्मीदवारों





को नियुक्ति पत्र प्रदान करने हेतु कंपनी मुख्यालय में पधारने की स्वीकृति माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रदान की गई। इस तरह भव्य कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा तीनों कंपनियों के लिए चयनित टॉपर्स को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। वहीं अन्य उम्मीदवारों के लिए तीनों कंपनियों द्वारा अलग-अलग स्टॉल बनाए गए। इन स्टॉलों में तीनों कंपनियों के प्रबंध निदेशक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इन वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों से चयनित कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

▪ मेरा घर - पीएम सूर्यघर

छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की ब्रांडिंग तथा जन-जागरण अभियान के लिए थीम लाइन ''मेरा घर - पीएम सूर्यघर'' के आधार पर व्यापक तैयारियां की गई हैं। प्रचार सामग्रियों का विमोचन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के द्वारा किया गया। श्री साय ने इस योजना के हितग्राहियों को मेरा घर - पीएम सूर्यघर की नाम पट्टिका प्रदान की। जिन घरों में इस योजना का क्रियान्वयन हो चुका है उन घरों में ये नाम पट्टिकाएं लगाई जाएंगी। पॉवर कंपनी द्वारा योजना के प्रचार-प्रसार के लिए रेडियो जिंगल्स तथा टीवी स्पॉट्स का निर्माण भी करवाया गया है जिसका विमोचन श्री साय द्वारा किया गया है।

▪ रूफटॉप सोलर एक्सप्लोरर वेबसाइट की लांचिंग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी तथा सेंटर फॉर स्टडी ऑफ साइंस, टेक्नोलॉजी एण्ड पॉलिसी के द्वारा विकसित किए गए रूफटॉप सोलर एक्सप्लोरर वेबसाइट का विमोचन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा किया गया। यह वेबसाइट रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाने के इच्छुक उपभोक्ताओं को आवश्यक जानकारियां प्रदान करेगी। रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग और कोरबा जिलों के उपभोक्ताओं को उनकी छत के आकार तथा घरेलू उपभोग की आवश्यकता के अनुसार सोलर पॉवर प्लांट की क्षमता, तकनीकी तथा वित्तीय आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देगी। उपभोक्ता अपने बी.पी. नंबर (जो प्रत्येक बिजली उपभोक्ता को बिजली कनेक्शन और मीटर के साथ उपलब्ध कराया जाता है) से इस वेबसाइट में लॉग-इन कर सकते हैं। लॉग-इन करने के बाद उपभोक्ता को उनके छत के पास की लोकेशन पर ले जाया जाता है। उन्हें अपनी छत की पुष्टि करनी होती है। जिसके बाद वेबसाइट उनकी मासिक बिजली खपत का पैटर्न दिखाएगी। उपभोक्ता अपनी आवश्यकता में बदलाव भी कर सकते हैं। इस प्रकार वेबसाइट स्वचालित उपभोक्ता के लिए सबसे उपयुक्त रूफटॉप सोलर पॉवर सिस्टम का डिजाइन तथा अन्य सभी जानकारियां उपलब्ध कराएगी।



▪ कैशलेस हेल्थ स्कीम के तहत एम. ओ. यू.

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव एवं मेसर्स विडाल हेल्थ केयर के डायरेक्टर श्री शंकर बाली के बीच कैशलेस स्वास्थ्य योजना के क्रियान्वयन हेतु तीन वर्ष का अनुबंध किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ द्वारा बिजली उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के साथ-साथ पॉवर कंपनी कर्मियों के स्वास्थ्य हित में किये जा रहे प्रयास प्रशंसनीय हैं। पॉवर कंपनी की कैशलेस स्वास्थ्य योजना बेहद सफल रही है जिसका अनुकरण देश की अन्य पॉवर कंपनियों जैसे पंजाब और मध्यप्रदेश द्वारा भी किया जाना प्रसन्नता का विषय है। उल्लेखनीय है कि वृद्धावस्था में सबसे अधिक दवाइयों की जरूरत पड़ती है और यह अत्यधिक मंहगी होती हैं। ऐसी स्थिति में पॉवर कंपनी द्वारा कैशलेस स्वास्थ्य योजना में सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके पात्र आश्रितों को भी सम्मिलित कर उन्हें काफी हद तक राहत प्रदान करने का कार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस

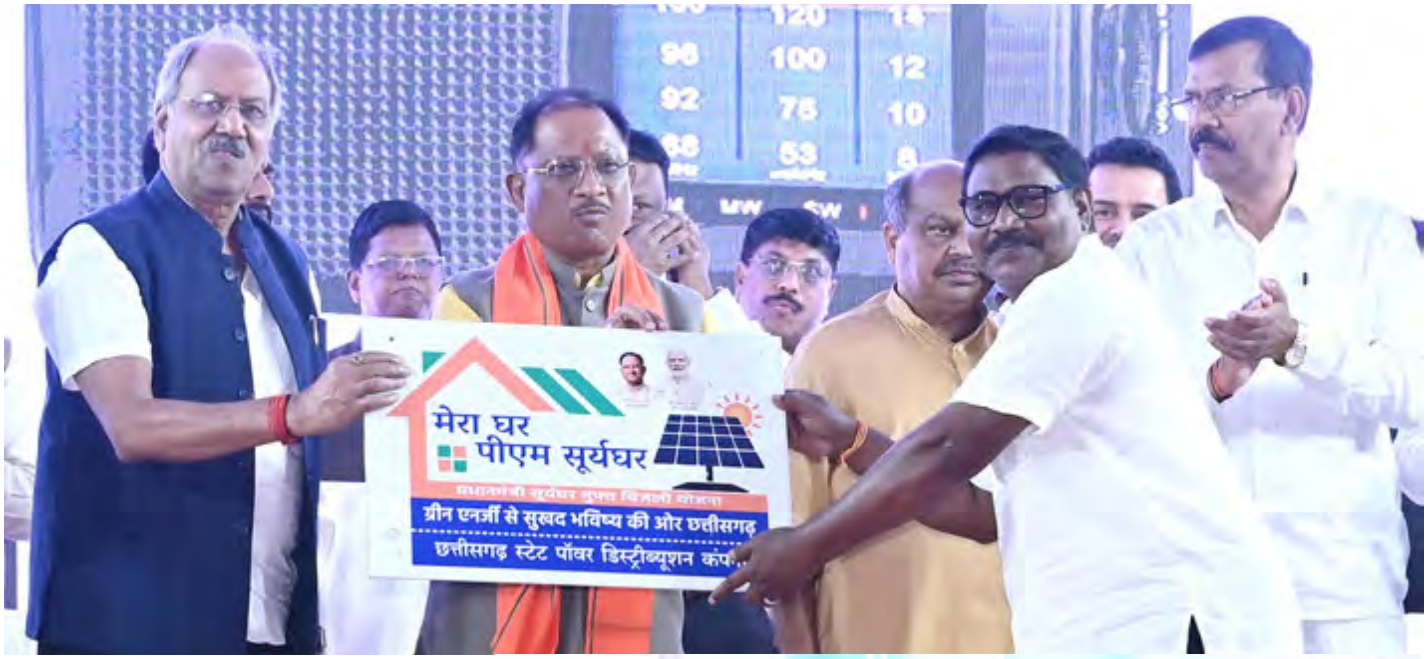

स्वास्थ्य योजना से प्रदेशभर के लगभग 11 हजार नियमित विद्युत कर्मियों एवं 11 हजार पेंशनरों के साथ उनके परिवार के लगभग 60 हजार सदस्यों को इसका सीधा लाभ मिल रहा है। व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु लगभग 600 अस्पतालों से सहमति प्राप्त की गई, जिससे हितग्राहियों को राज्य एवं राज्य के बाहर वेदांता गुड़गांव, जसलोक मुंबई, नारायणा बैंगलोर, अपोलो चेन्नई इत्यादि जैसे बड़े अस्पतालों में इलाज करवाने की सुविधा है। अस्पतालों की बिलिंग वाजिब एवं निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करते हुए अस्पतालों को बिल जमा करने के एक माह के अंदर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। यह आई.एस.ए.मॉडल के तहत कैशलेस स्वास्थ्य योजना, बीमा कंपनी की तुलना में 30 से 40 प्रतिशत तक मितव्ययी है अतः आई.एस.ए. मॉडल के तहत कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लिए मेसर्स विडाल हेल्थ केयर से अनुबंध निविदा के माध्यम से 03 वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा अपने उद्बोधन में पॉवर कंपनी द्वारा कर्मियों को चिकित्सा के क्षेत्र में दी जा रही सुविधाओं के लिये बधाई दी गई और भविष्य में भी इसके उत्तरोत्तर विकास की कामना की गयी।



विशेष लोगो को मुख्य द्वार के रूप में सजाया गया था। इस मुख्य द्वार पर फीता काटकर मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में सोलर पॉवर प्लांट लगाने हेतु आवेदन करने से लेकर प्लांट लगाने और उसकी सब्सिडी प्राप्त करने तक की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया था। इसके अलावा उत्पादन, पारेषण तथा वितरण कंपनियों की कार्यप्रणाली,योजनाओं और उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया था। यहां छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की विशिष्ट कैशलेस स्वास्थ्य स्कीम का भी स्टॉल लगाया गया था जिसमें इस योजना की कार्यप्रणाली तथा हितग्राहियों को होने वाले लाभ के बारे में जानकारियां प्रदर्शित की गई थी। सभी कंपनियों के स्टॉल में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री तथा अन्य अतिथियों को प्रदर्शित जानकारियों के बारे में विस्तार से बताया गया।

▪ प्रदर्शनी

कार्यक्रम स्थल पर एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी जिसमें प्रमुख रूप से मेरा घर - सूर्यघर का एक वर्किंग मॉडल बनाया गया था। जिसमें प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी द्वारा बनाए गए एक





ग्रीन एनर्जी के लिए एनटीपीसी एवं छत्तीसगढ़ राज्य बिजली उत्पादन कंपनी के बीच करार

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के डंगनिया, रायपुर स्थित मुख्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बिजली उत्पादन कंपनी तथा एन.टी.पी.सी. की सहायक कंपनी मेसर्स एन.टी.पी.सी. ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के बीच 26 नवम्बर को एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया। जिसके अनुसार ये दोनों कंपनियां मिलकर एक संयुक्त उपक्रम कंपनी बनाएंगी। संयुक्त उपक्रम कंपनी के माध्यम से राज्य में लगभग 2 गीगावॉट (2 हजार मेगावॉट) क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास का काम करेंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस करार को छत्तीसगढ़ में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक नये युग की शुरूआत बताया। प्रदेश के ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि हम नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम करते हुए एक नया इतिहास रचेंगे।



नये युग की शुरूआत
–विष्णु देव साय



रचेंगे नया इतिहास
–डॉ. रोहित यादव

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड तथा नेशनल थर्मल पॉवर कंपनी के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी मेसर्स एन.टी.पी.सी. ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एन.जी.ई.एल.) के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार तथा एन.टी.पी.सी. के रीजनल एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री पी.के. मिश्रा की उपस्थिति में एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन में एन. जी.ई.एल. की ओर से महाप्रबंधक (अभियांत्रिकी) श्री धीरेंद्र जोशी और सी.एस.पी.जी.सी.एल. की ओर से मुख्य अभियंता (कार्पोरेट प्लानिंग एण्ड बिजनेस डेवलेपमेंट) श्री गिरीश गुप्ता द्वारा हस्ताक्षर किया गया। ज्वाइंट वेंचर कंपनी के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का संपादन किया जाएगा। यह समझौता ज्ञापन, राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा दायित्वों (आर.जी.ओ.) के पालन में सहायक सिद्ध होगा तथा जिसके द्वारा हरित ऊर्जा स्त्रोतों से ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस करार से राज्य में हरित ऊर्जा स्त्रोतों से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसरों का सृजन होगा, जिससे कि राज्य की भावी विद्युत आवश्यकताओं के साथ ही राज्य के समग्र विकास और सुदृढ़ अर्थव्यवस्था बनाने में सहयोग मिलेगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के ई.डी. सी.एल. नेताम, एम.आर. बागड़े, संदीप मोदी, मुख्य अभियंतागण जे.एस. बोंडे, रजनीश जांगड़े, एम.एस. कंवर, रोहित डहरवाल, संजय शुक्ला, मनीष गुप्ता, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) उमेश कुमार मिश्र, विभागीय अभियंता अतनु मुखोपाध्याय, आशुतोष शुक्ला, नीरज वर्मा सहित एन.टी.पी.सी. के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित थे।









हम बिजली ही नहीं, देश के लिए खिलाड़ी भी बनाते हैं - डॉ. रोहित यादव

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज को इस बार 46वीं अखिल भारतीय लॉन टेनिस स्पर्धा के आयोजन की बड़ी जिम्मेदारी मिली, जिसे पॉवर कंपनी ने तन्मयता, उत्साह और गरिमामय रीति से पूरा किया। राजधानी से लगे छछानपैरी स्थित एपीसेम लॉन टेनिस एकेडमी में इसका आयोजन 23 से 25 नवंबर तक किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे। उन्होंने लगभग एक घंटे खिलाड़ियों के बीच बिताए, उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर डॉ. रोहित यादव ने कहा कि यह बहुत ही सुखद है कि राज्य विद्युत कंपनियों, मण्डलों, निगमों में खेल-कूद की गतिविधियों पर ध्यान दिया जाता है। जिसके कारण यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय स्तर पर योगदान कर रही है तथा भारतीय टीम में भी जगह बनाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि यह गौरव का विषय है कि हम देश के लिए सिर्फ बिजली ही नहीं बनाते बल्कि खिलाड़ी भी बनाते है और सिर्फ बिजली आपूर्ति ही नहीं करते बल्कि देश के लिए खिलाड़ियों की आपूर्ति भी करते हैं।

26 नवंबर को आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. रोहित यादव ने कहा कि हमारे जीवन में खेल का बहुत अधिक महत्व है। नौकरी में आने के बाद सामान्यतः खेलना छूट जाता है लेकिन आप सभी खिलाड़ियों ने अपने बचपन के सपने को अभी भी जीवंत रखा है यह सराहनीय है। खेल से जहां एक तरफ शरीर स्वस्थ रहता है वहीं दूसरी ओर यह काम-काज के तनाव को भी दूर करता है। खेल का यह अनुभव किसी किताब या किसी स्कूल में नहीं मिलेगा। यह पॉवर कंपनी के कर्मियों में एकता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

इस स्पर्धा में छत्तीसगढ़ सहित आंध्रप्रदेश, असम, कर्नाकट, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडू, केरल, कोलकाता, तेलंगाना राज्य से विद्युत कंपनियों की टीमों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। समारोह का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशकगण सर्वश्री के.एस. मनोठिया, जे.एस. नेताम, आर.सी. अग्रवाल, सी.एल. नेताम, एम.एस. कंवर, संदीप मोदी, गिरीश गुप्ता, डॉ. एच.एल. पंचारी उपस्थित थे।

पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ स्टेट

अ.भा. लॉन टेनिस में केरल विजेता, उ.प्र. उपविजेता, छत्तीसगढ़ तीसरा

केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, छत्तीसगढ़ की मेजबानी में आयोजन

पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एसके कटियार ने कहा कि किसी भी आयोजन के लिए टीमवर्क और खेल भावना सर्वोपरि होती है। जहां दूसरे राज्य से आए खिलाड़ियों ने खेल भावना की मिशाल पेश की वहीं हमारी कंपनी ने बेहतर तालमेल के साथ इस आयोजन को पूरा कर टीमवर्क का परिचय दिया। इस तीन दिवसीय स्पर्धा में सभी खिलाड़ियों ने पूरी ऊर्जा के साथ खेल का प्रदर्शन किया, जिसमें हमें प्रतिस्पर्धा के उच्च स्तर देखने को मिला।

तीन दिनों तक चली लॉन टेनिस स्पर्धा में 26 साल से 58 साल तक के खिलाड़ी शामिल हुए। सभी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया। सबसे युवा टीम केरल के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। टीम इवेंट में केरल राज्य विद्युत मण्डल विजेता रही। उपविजेता का खिताब उत्तरप्रदेश को मिला। तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की टीम रही। इसी तरह ओपन सिंगल्स में केरल के श्री सूरज एच प्रथम रहे, दूसरे स्थान पर असम के श्री वाय.ए. अहमद एवं तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ के श्री रजनीश ओबेरॉय रहे। ओपन डबल्स में केरल के श्री सूरज एच एवं श्री गौतम कृष्णा विजेता रहे। आंध्रप्रदेश ट्रांस्को टीम के श्री मनेश और श्री के. मूर्ति दूसरे एवं केरल के श्री बीनू एम और श्री बिनोज एम तीसरे स्थान पर रहे।

अखिल भारतीय विद्युत लॉन टेनिस स्पर्धा का आगाज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के प्रबंध निदेशकगण श्री एसके कटियार और श्री राजेश कुमार शुक्ला ने टेनिस कोर्ट में खेलकर किया। मुख्य अतिथि श्री कटियार ने कहा कि नौ राज्यों से आई विद्युत कंपनियों की टीमें अपने साथ भाईचारे का संदेश लेकर आई हैं, हर स्पर्धा खिलाड़ियों के लिए कठिन चुनौती की तरह होती है, जिसे वे धैर्य और लगन के साथ खेलकर विजय प्राप्त करते हैं। विद्युतकर्मियों में अच्छी कार्यशैली को बढ़ाना इस अखिल भारतीय आयोजन का उद्देश्य है। उन्होंने राजधानी के छछानपैरी जैसे ग्रामीण क्षेत्र में एपीसेम एकेडमी द्वारा लॉन टेनिस कोर्ट विकसित किये जाने की भी सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि अखिल भारतीय स्तर के आयोजन से यहां के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर का खेल देखने को मिलेगा। साथ ही दूसरे राज्यों के आये विद्युतकर्मियों के साथ उनकी कार्यशैली और संस्कृति सीखने-जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने सभी टीमों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये शुभकामनाएं दीं। विशेष अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक गण सर्वश्री जेएस नेताम, एसके मनोठिया एवं एमएस चौहान उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

आयोजन में श्री आर.के. बंछोर (सेवानिवृत्त अधीक्षण यंत्री), मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच. पंसारी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीलेश सिह, खेल सचिव श्री विनय चंद्राकर, कार्यालय सचिव श्री राजेश सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



गुवाहाटी में विद्युत महिला खेल स्पर्धा में 8 पदक



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, पॉवर कंपनी अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने दी बधाई कहा - बढ़ा राज्य का गौरव

46वीं अखिल भारतीय विद्युत महिला स्पर्धा में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टीम इवेंट में टेबल टेनिस व शतरंज में रजत, बैडमिंटन में कांस्य व व्यक्तिगत स्पर्धा मे एक स्वर्ण पदक और 5 कांस्य पदक हासिल किए।पूरे स्पर्धा में कुल 8 पदक हासिल किये गए। समापन समारोह में असम की ऊर्जा एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती नंदिता गोर्लोसा ने विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री तथा ऊर्जा मंत्री श्री विष्णुदेव साय, पॉवर कंपनी अध्यक्ष व ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के टीम को बधाई देते हुए कहा है कि इनके उम्दा प्रदर्शन से छत्तीसगढ़ का नाम रोशन हुआ है। प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमताओं का झण्डा गाड़ने के लिए इसी प्रकार लगन और निष्ठा से अभ्यास करते रहना चाहिए।



गुवाहाटी असम में 17-20 नवंबर तक आयोजित इस टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की टीम ने अलग-अलग श्रेणी में पदकों पर अपना कब्जा जमाया। टेबल टेनिस स्पर्धा में टीम इवेंट में (दिव्या आमदे, श्रद्धा वर्मा, शिखा खाण्डे, शोभना सिंह) द्वारा रजत पदक हासिल किया गया, सिंगल्स में दिव्या आमदे द्वारा स्वर्ण एवं डबल्स में श्रद्धा व दिव्या की जुगलबंदी को रजत पदक प्राप्त हुआ। इसी तरह बैडमिंटन में (संध्या रानी, जुवेना गोम्स, वीरांगना भगत, श्रद्धा पिल्लई) द्वारा टीम इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त हुआ, सिंगल्स में संध्या रानी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। शतरंज स्पर्धा में टीम इवेंट में नूतन ठाकुर, मीना कुर्रे, सानिली चौहान, भारती फिराओ ने रजत पदक दिलाया, प्रथम बोर्ड प्राइस में नूतन ठाकुर, चौथी बोर्ड प्राइस भारती फिराओ को मिला। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की महिला खिलाड़ियों ने पांच स्पर्धाओं (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, टेनिकोइट) के लिए राष्ट्रीय स्तर के 8 स्टेट टीमों से मुकाबला कर तीन स्पर्धा में कुल 8 पदक प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ महिला खिलाड़ियों को टीम मैनेजर श्रीमती अनामिका मांडवी, कोच श्री सागर पिंपलापुरे द्वारा पूरे टूर्नामेंट मे मार्गदर्शन मिलता रहा। इस अवसर पर ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के प्रेसिडेंट श्री सुरेश कैमल, महासचिव श्री के. शिव कुमार, वरिष्ठ खेल अधिकारी श्री टी.कुमार वेदुवालु, खेल अधिकारी श्री एम.एस. नायडू, उप. महा. प्रबंधक वित्तीय श्रीमती पूर्वी नाथ उपस्थित थे।

टेनीकोइट स्पर्धा में रायपुर रीजन ने बाजी मारी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की केंद्रीय क्रीडा एवं कला परिषद, केंद्रीय कार्यालय द्वारा अंतरक्षेत्रीय टेनीकोइट (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन 5 नवंबर को किया गया। डंगनिया स्थित बैडमिंटन हॉल में प्रदेश के 5 क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने प्रतिस्पर्धा में भाग लिया। जिसमें रायपुर रीजन विजेता एवं रायपुर सेंट्रल की टीम उप-विजेता रही। इसी के साथ-साथ 4 श्रेष्ठ खिलाड़ियों को अखिल भारतीय खेल प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया।



इस अवसर पर प्रबंध निदेशक जनरेशन श्री एस.के. कटियार, प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन श्री राजेश शुक्ला, कार्यपालक निदेशक लाइन श्री के.एस. मनोठिया, कार्यपालक निदेशक वित्त श्री एम.एस. चौहान, कार्यपालक निदेशक प्रोजेक्ट श्रीमती ज्योति नंनौरे एवं छत्तीसगढ़ टेनीकोइट एसोसिएशन के सचिव श्री संजय शर्मा आयोजन में उपस्थित थे। श्री कटियार ने महिला खिलाड़ियों को अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की सलाह दी और पॉवर कंपनी का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का आव्हान किया।

केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में वार्षिक खेल गतिविधियां आरंभ हो चुकी हैं जिसके तहत प्रथम बार टेनीकोइट (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रायपुर सेंट्रल, रायपुर रीजन, जगदलपुर, मड़वा एवं बिलासपुर की टीमों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। ऑब्जर्वर श्री ऐश्वर्य पाठक द्वारा चयनित खिलाड़ियों की सूची आयोजन समिति को सौंपी गई।

महिला खिलाड़ी में विजेता टीम से यशोदा रावतिया, एलिस मैरी केरकेट्टा एवं उप-विजेता टीम से कल्पना पन्ना, उपासी धांगड़ को अखिल भारतीय खेल प्रतियोगिता के लिए चुना गया।

महिला खेल प्रभारी श्रीमती कंचन महेश ठाकुर द्वारा इस खेल को खेल गतिविधियों में शामिल करने के लिए परिषद को सुझाव दिया गया था। यह ओलिंपिक स्तर का खेल है जिसे पहली बार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की महिलाओं ने खेला। आयोजन में रैफरी श्री वरूण पाण्डेय, श्री लाल बहादुर सोनकर, श्रीमती जयालक्ष्मी, श्री लक्ष्मी नारायण साहू, श्रीमती संध्या वर्मा एवं श्री शिवांशु केसरवानी को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।



हॉकी में कोरबा पश्चिम चौथी बार विजेता, अंबिकापुर उपविजेता

जशपुर (अंबिकापुर क्षेत्र) में 4 से 8 नवम्बर तक अंतरक्षेत्रीय हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उदघाटन समारोह में मुख्य अभियंता श्री टी. के. मेश्राम व अति मुख्य अभियंता श्री आवेदन कुजुर ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ खेलने का आव्हान किया। खेल के परिणाम मे फाइनल में विगत 3 वर्षों से विजेता कोरबा पश्चिम और अंबिकापुर क्षेत्र के मध्य खेला गया। कोरबा पश्चिम ने कप्तान अनिल मिंज और उपकप्तान अमित एक्का के नेतृत्व में खेले गए फाइनल मैच में अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए सुशांत कटकवार और अमन किशोर के 2-2 गोल की मदद से अंबिकापुर क्षेत्र को 4-1 से पराजित कर लगातार चौथी बार प्रतियोगिता का विजयी खिताब अपने नाम किया। पूरी प्रतियोगिता में कोरबा पश्चिम की टीम द्वारा अपने स्टार स्ट्राइकर सुशांत कटकवार, अमन किशोर, अमित एक्का, शिवशंकर, बलराम यादव एवं संजय लकड़ा के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर प्रतिपक्षी टीमों पर कुल 37 गोल किये गए, जिनमें से सर्वाधिक 19 गोल करने वाले सुशांत कटकवार को स्कोरर ऑफ टूर्नामेंट एवं कप्तान अनिल मिंज को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट का खिताब प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, कोरबा पश्चिम के सचिव श्री सतीश बरदिया एवं कोरबा पश्चिम टीम के मैनेजर श्री सुनील टोप्पो उपस्थित थे। अति मुख्य अभियंता श्री पी.के स्वेन ने पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

फुटबॉल में कोरबा पश्चिम विजेता, बिलासपुर उपविजेता

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वाधान में दुर्ग क्षेत्र द्वारा आयोजित अंतरक्षेत्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 स्पर्धा का आयोजन 20 से 22 नवंबर 2024 तक किया गया। कोरबा पश्चिम की टीम ने बिलासपुर की टीम को 1-0 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार विजेता का खिताब अपने नाम किया। बिलासपुर रीजन लगातार दूसरी बार उपविजेता रही। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब कोरबा पश्चिम के श्री अमन सिंह को दिया गया।



प्रतियोगिता के उद्घाटन एवं समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री जामुलकर ने कहा कि यह प्रतियोगिता ना केवल खेल की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित की गई है, बल्कि हमारे विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक साथ लाने और खेल के माध्यम से जीवन मूल्यों को सिखाने का एक अवसर भी है। स्पर्धा में पावर कंपनीज के नौ क्षेत्रों की टीमों यथा मेजबान टीम दुर्ग क्षेत्र, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, अंबिकापुर, रायपुर केन्द्रीय, रायपुर क्षेत्र, जगदलपुर, मड़वा एवं बिलासपुर क्षेत्र के खिलाड़ियों के बीच कुल 19 मैच हुए।

प्रतियोगिता में विजयी रहे कोरबा पश्चिम के फुटबॉल टीम में सर्वश्री क्रिस्ट पॉल कुजुर, सरजुन राम, पी.के.बघेल, बिपीन टोप्पो, लव कौशिक, उमेश वर्मा, अमन किशोर, शिव शंकर भगत, सुबेश बघेल, राजेन्द्र पॉल कंवर, सहदेव कुमार दास, सुशांत कटकवार, परवेश, सुनील भार्या, गुडविन लकड़ा एवं विकास लाल। टीम के मैनेजर श्री मयंक बारडिया थे। सभी विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मुख्य अभियंता तथा मंचासीन अतिथियों ने पुरस्कृत किया। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले तीस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय विद्युत मंडल प्रतियोगिता के लिए नामांकित किया गया है।

इस अवसर पर श्री तरुण कुमार ठाकुर,मुख्य अभियंता(सी एंड टीएम) श्री के.के.भगत,मुख्य अभियंता श्री एच.के.मेश्राम,श्री तरुण कुमार ठाकुर,श्री एस.मनोज, श्री ए.के.लखेरा, श्री पी.पी. सिंह, श्री एस.के.भूआर्य, श्री के.बी.बन्सोड़, डीजीएम(एफ एंड ए) श्री वाय. कोसरिया, श्री बलवंत पाटिल, उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री डी.के. डूम्भरे द्वारा किया गया।

केंद्रीय क्रीडा एवं कला परिषद का वार्षिक कैलेंडर



केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद द्वारा वार्षिक खेल गतिविधियों का आरंभ सितम्बर माह से किया गया जिसके तहत सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के खिलाड़ी विभिन्न खेलों में अपना जौहर दिखा रहे हैं। ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन व जनरेशन कंपनी के खिलाडियों ने मैदान पर खिलाड़ी भावना के साथ प्रदर्शन करने व विजय ध्वज लहराने का संकल्प लिया। यह संपूर्ण खेल गतिविधियॉ मार्च 25 तक समाप्त हो जाएंगी । क्षेत्रीय खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के आधार पर अखिल भारतीय विद्युत स्पर्धा के लिए चयन होता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने पूर्व में भी अखिल भारतीय विद्युत स्पर्धा में भी बेहतर प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज का नाम रौशन किया है।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड रायपुर द्वारा 2024-25 के लिए अंतरर्क्षेत्रीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन उनके समक्ष दर्शाए गए स्थान पर संबंधित क्षेत्रीय मुख्यालयों की मेजबानी में किया जाएगा। प्रस्तावित समय-सारिणी के अनुसार किया जाना है।

खेल	मेजबान
टेबल टेनिस	रायपुर क्षेत्र
फुटबाल	दुर्ग क्षेत्र
बैडमिंटन	रायपुर क्षेत्र
शतरंज	मड़वा
कैरम	मड़वा
लॉन टेनिस	कोरबा पश्चिम
व्हॉलीबाल	राजनांदगांव क्षेत्र
क्रिकेट	कोरबा पूर्व
हॉकी	अंबिकापुर क्षेत्र
कबड्डी	जगदलपुर क्षेत्र
भारोत्तोलन /शरीर सौष्ठव	बिलासपुर क्षेत्र
सांस्कृतिक कार्यक्रम	कोरबा पश्चिम
टेनेक्वाईट	केन्द्रीय कार्यालय रायपुर
ब्रिज	केन्द्रीय कार्यालय रायपुर



श्री सहदेव कुमार ठाकुर

कार्यपालक निदेशक, जगदलपुर क्षेत्र

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री सहदेव कुमार ठाकुर का जन्म 8 सितम्बर 1968 को तार्री गांव थाना गुरूर जिला (बालोद) में हुआ। उनकी माता का नाम स्व. श्रीमती बिटान ठाकुर एवं पिता का नाम स्व श्री जे.आर. ठाकुर है। उन्होंने वर्ष 1985 में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुरूर से हायर सेकेंडरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने वर्ष 1990-91 में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, रायपुर से प्रथम श्रेणी में बीई इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की उपाधि प्राप्त की। श्री ठाकुर वर्ष 1992 में स्नातक प्रशिक्षु के पद से मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में सेवायात्रा की शुरूआत की। प्रथम पदस्थापना सीटीआई जबलपुर कार्यालय में हुई। तत्पश्चात वर्ष 1993 में सहायक अभियंता, संचालन-संधारण कोरबा में पदस्थ हुए। इस पद पर 2003 तक रहे एवं 132 केवी उपकेन्द्र दर्री (कोरबा), 132 केवी उपकेन्द्र चांपा व पुनः कार्यपालन अभियंता, संचालन-संधारण कार्यालय, कोरबा में सेवाएं देते रहे। वर्ष 2003 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति उपरान्त एसटीएम संभाग, अंबिकापुर में पदस्थ किए गए। इस पद पर वे 2004 से 2008 तक ईई (एमआरटी सह उपकेन्द्र)संभाग, विश्रामपुर में पदस्थ रहे। वर्ष 2008 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए तथा भण्डार वृत्त रायपुर, मुख्य अभियंता (ओएंडएम) कार्यालय रायपुर में कार्यरत रहे। मुख्य अभियंता संचालन-संधारण, रायपुर में पदस्थापना के दौरान उनके द्वारा विधानसभा व अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों को नियमित विद्युत आपूर्ति की मॉनिटरिंग जैसे दायित्वों का निर्वहन किया। श्री ठाकुर वर्ष 2014 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नत हुए एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रेडिंग कंपनी में पदस्थ किए गए। तत्पश्चात उन्हें अंबिकापुर क्षेत्र में मुख्य अभियंता के रूप में स्थानांतरित किया गया। इस तरह उन्होंने आदिवासी अंचल में विद्युत विकास की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। श्री ठाकुर ने वर्ष 2016 से 2021 तक मुख्य अभियंता विजिलेंस रायपुर का दायित्व संभाला। श्री ठाकुर को वर्ष 2021 में पदोन्नति पश्चात कार्यपालक निदेशक के रूप में रायपुर क्षेत्र में पदस्थ किया गया एवं बाद में जगदलपुर क्षेत्र में पदस्थ किए गए। वर्तमान में श्री ठाकुर प्रदेश के प्रमुख आदिवासी अंचल में विद्युत अधोसंरचना के विकास तथा दूरस्थ अंचलों तक विद्युत आपूर्ति संबंधित कार्यों को निर्देशित कर रहे है। उन्होंने पॉवर प्रबंधन के क्षेत्र में दिल्ली एवं मुंबई में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।वे अपनी सेवावधि में अधिकतम समय कोरबा, अंबिकापुर, जगदलपुर जैसे आदिवासी अंचल में पदस्थ रहे।

अपने सेवाकाल के दौरान आई चुनौतियों का स्मरण करते हुये वे बताते हैं अंबिकापुर क्षेत्र में पदस्थापना के समय एक बड़ी जिम्मेदारी एसईसीएल के लगभग 120 एचपी उपभोक्ताओं को निरंतर विद्युत आपूर्ति की थी। ये उपभोक्ता भूमिगत खदानों में थे। वहां की सप्लाई बाधित होने पर खदानों में पानी भरने लगता था। जिससे व्यापक तौर पर जान-माल के नुकसान की आशंका बनी रहती थी। एक बार 132 केवी उपकेन्द्र मनेन्द्रगढ़ में बैटरी चार्जर खराब हो गया था। शाम का वक्त था ऑपरेटरों नें सभी सप्लाई बंद कर दी थी लेकिन उनके द्वारा आवश्यक सेटिंग कर सभी खदानों में बिजली आपूर्ति को सामान्य बनाए रखने की चुनौती थी। इस परिस्थिति से निपटने के लिए दिन-रात कार्य करना पड़ा। जिसमें उच्चाधिकारियों का भी विशेष सहयोग मिला। सुबह बिलासपुर से नया बैटरी चार्जर लाने के पश्चात वहां स्थिति सामान्य हो पाई। इसी तरह 2007 में उनके कार्यकाल में 132/33 केवी उपकेंद्र जशपुर में चार्ज किया गया। अंबिकापुर में 40 एमवीए और बैकुंठपुर में 20 एमवीए का अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर चार्ज किया गया। चांपा (कोरबा) में पदस्थ रहते हुये उपकेन्द्रों में 40 एवं 20 एमवीए की क्षमता वृद्धि की गई।

वर्ष 1964 में स्थापित 20 एमवीए के पॉवर ट्रांसफार्मर को पुराना व अनुपयोगी समझ कर बैकुंठपुर यार्ड में रख दिया गया था। श्री ठाकुर ने इसे पुनः उपयोग में लाने के लिए प्रयास किया और उसे पुनर्जीवित कर कंपनी के करोड़ों रूपए की बचत की। स्वस्थ्य रहने के लिए वे बैडमिंटन खेलते है।समाज के विकास के लिए योगदान देने को वे सामाजिक दायित्व मानते है,जिसे पूर्ण करने के लिए सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेना पसंद करते है। वे टीमवर्क पर विश्वास करते हैं इसलिए जहां भी पदस्थ रहते हैं वहां अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते रहते हैं।

उनके परिवार में पत्नी श्रीमती संतोषी ठाकुर स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त हैं और गृहस्थी के संचालन के साथ ही सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं। उनके पुत्र श्री आशुतोष ठाकुर सिविल इंजीनियरिंग में उपाधि हासिल करने के उपरान्त दिल्ली यूनिवर्सिटी में विधि की पढ़ाई कर रहे है।

इस स्तंभ में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों के जीवन वृत्त का प्रकाशन क्रमिक रूप से किया जा रहा है ताकि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से तीनों पॉवर कंपनियों के प्रदेश भर में पदस्थ अधिकारी तथा कर्मचारी प्रेरणा लें। अपने-अपने क्षेत्रों में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये न सिर्फ नियमित दायित्वों का निर्वाह श्रेष्ठता से करें बल्कि नवाचार से प्रचलित परिपाटियों में बेहतर सकारात्मक सुधार के माध्यम भी बनें।

▪ **संपादक**



दीपावली की जगमग के पीछे जगराता बिजली अमले का



दीपावली की रात अमावस्या की रात होती है। उस दिन वैसे भी बहुत अंधेरा होता है। इस अंधेरे को उजाले में तब्दील करने की जिम्मेदारी विद्युत कंपनियों के अमले की होती है। उत्पादन, पारेषण और वितरण तीनों कंपनियों के अधिकारी एवं कर्मचारी इस बात का ध्यान रखते हैं कि कहीं कोई कोताही न हो। प्रदेश के कोने-कोने और घर-घर में निर्बाध बिजली पहुंचे। इस जिम्मेदारी और चुनौती में इस साल भी हम खरे उतरे हैं तो इसका पूरा श्रेय तीनों कंपनियों के अधिकारियों और कर्मचारियों को जाता है।

▪ डॉ. रोहित यादव
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज

तारीख थी- 23 अक्टूबर 2024। अवसर था- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का विद्युत कंपनियों के मुख्यालय में प्रवास।यादगार बना- मुख्यमंत्री श्री साय का उद्बोधन। उन्होंने कहा था- दीपावली का यह त्यौहार रोशनी का त्यौहार है, रोशनी बांटने का त्यौहार है, और विद्युत कर्मियों से बढ़कर भला ''रोशनी बांटने वाला'' कौन हो सकता है। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि दीपावली के समय आप लोगों का काम बहुत बढ़ जाता है, लेकिन आपने हर ऐसे अवसर पर बहुत सुंदर तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। इस बार भी मुझे आपसे यही आशा है। उम्मीद पर खरे उतरा- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज का अमला। क्यों- इसलिए कि दीपावली के अवसर पर पूरे प्रदेश में विद्युत आपूर्ति बहुत ही शानदार तरीके से हुई, कहीं कोई समस्या नहीं आई।

क्या ऐसा बिना किसी प्रयास के हो जाता है? बिल्कुल नहीं। इसके लिए दिन-रात एक करना पड़ता है। कई रातों तक जागना भी पड़ता है।

दीपावली तथा अन्य त्यौहारों का अवसर हो या रोज रात के अंधेरे को जीतने का जुनून, यह काम विद्युतकर्मी बहुत मनोयोग से करते हैं। हाल ही में दीपावली आकर गई है इसलिए मिसाल के तौर पर दीपावली पर जगमगाहट बिखेरने में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अधिकारी एवं कर्मचारी कितनी तैयारी करते हैं इसकी एक तस्वीर प्रस्तुत करने का प्रयास इस आलेख के माध्यम से किया जा रहा है।

सामान्यतः वर्ष में 2 बार प्री-मानसून और प्री-दीपावली लाइनों और ट्रांसफॉर्मरों का मेंटेनेंस किया जाता है। यह कार्य 1 माह पहले ही शुरू कर दिया जाता है। 33/11 के.वी. लाइन, निम्नदाब लाइनें, वितरण ट्रांसफॉर्मर, पॉवर ट्रांसफॉर्मर आदि को चालू हालत में बनाए रखने के लिए यथा आवश्यक सुधार कार्य किया जाता है। लाइनों के आसपास के पेड़ों की छटाई की जाती है, लोड (भार) लिया जाता है ताकि यदि कहीं असंतुलन की स्थिति है तो सुधार किया जा सके। फ्यूज ऑफ कॉल्स की ज्यादा शिकायतों वाले क्षेत्रों में नये फ्यूज भी लगाए जाते हैं। धनतेरस से अतिरिक्त गैंग लगाकर मॉनिटरिंग और सुधार की व्यवस्था की जाती है। शहरों, कस्बों, वितरण केंद्रों, बड़े मोहल्लों के स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों को नामित किया जाता है और उनके फोन नंबर भी अखबारों में छपवाए जाते हैं ताकि शिकायत आने पर तत्काल उन्हें सुधारा जाए। हर लाइन पर 24×7 आधार पर निगरानी की जाती है। यदि लाइन में कोई गंभीर रूकावट पता चलती है तो विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाती है। धनतेरस से दीपावली के 1 दिन बाद तक कनिष्ठ यंत्री से लेकर सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता, मुख्य अभियंता, कार्यपालक निदेशक तक अधिकारियों को अवकाश लेने की मनाही होती है। लक्ष्मी पूजा के लिए आपसी समन्वय के आधार पर बारी-बारी से थोड़े समय के लिए ही अभियंताओं से लेकर अमला तक घर जा पाते हैं। अन्यथा कई बार तो निकल भी नहीं पाते। कहीं-कहीं कंट्रोल रूम बनाकर अधिकारी उपस्थित रहते हैं और आपस में समन्वय रखते हैं। इस तरह

दीपावली को प्राथमिकता दी जाती है ताकि रोशनी का पर्व बिजली की रोशनी के साथ मनाई जा सके। बहुत प्रसन्नता का विषय है कि हमने बहुत अच्छे टीमवर्क के साथ इतनी बड़ी चुनौती का सामना किया और बिना किसी व्यवधान के विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से जारी रखी गई।

रायपुर शहर क्षेत्र


श्री जे. एस. नेताम, रायपुर

रायपुर क्षेत्र के नगर वृत्त एक रायपुर के अंतर्गत कार्यपालक निदेशक श्री जे एस नेताम ने बताया कि रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर जिले के शहरी क्षेत्र शामिल हैं। इस तरह रायपुर शहरी क्षेत्र के 316497 लाख निम्नदाब उपभोक्ता एवं 354 उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही हैं। रायपुर शहर नगर वृत्तएक क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 65 उपकेन्द्र तथा 7342 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। क्षेत्र में कुल 323 फीडर हैं, जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 38 और 11 के.वी. फीडर की संख्या 285 हैं। इस तरह क्षेत्र में 556.57 कि.मी. 33 के.वी. लाइन, 1006.68 कि.मी. 11 के.वी. लाइन तथा 2093. 93 कि.मी. निम्नदाब लाइनें हैं, जिनके माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचती हैं। दीपावली पूर्व संधारण कार्य के दौरान इन समस्त स्थापनाओं की जांच की गई और आवश्यकतानुसार सुधार कार्य किये गये। इस प्रकार दीवाली का विद्युत भार संयोजित व समन्वित किया गया कि किसी एक स्थान पर ज्यादा लोड न आये और पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। रायपुर क्षेत्र में दीपावली पर्व के दौरान 366 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति की गई है।

रायपुर ग्रामीण क्षेत्र


श्री संदीप वर्मा, रायपुर ग्रामीण

रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री संदीप वर्मा ने बताया कि रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर शहर को छोड़कर शेष पूरा रायपुर जिला, बलौदाबाजार भाटापारा जिला, महासमुंद जिला, धमतरी जिला तथा गरियाबंद जिला आते है। इस तरह इस क्षेत्र में 3,828 गाँव तथा 12 लाख उपभोक्ता है। रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 198 उपकेंद्र तथा 11 के.वी. क्षमता के 1,252 फीडर है। पूरे क्षेत्र में 46,379 वितरण ट्रांसफॉर्मर है। क्षेत्र में 49,029 किलोमीटर निम्नदाब लाइनें है जिनके माध्यम से प्रत्येक घर में बिजली पहुंचती है। दीपावली के लिए काफी पहले से तैयारियां की गई। लोड बैलेंस किया गया और नतीजा रहा निर्बाध विद्युत आपूर्ति।

दुर्ग क्षेत्र


श्री एम. जामुलकर, दुर्ग

दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री एम . जामुलकर ने बताया कि दुर्ग क्षेत्र में कुल 1,007 फीडर है जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 153 और 11 के.वी फीडर की संख्या 854 है। दुर्ग क्षेत्र में कुल 32,873 ट्रांसफॉर्मर स्थापित हैं। सभी ट्रांसफॉर्मरों की जाँच कर एवं समय-समय पर लोड बैलेंसिंग का कार्य किया गया।

दुर्ग क्षेत्र में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 9,60,481 है जिसमें एच.टी. उपभोक्ताओं की संख्या 631 तथा एल.टी. उपभोक्ताओं की संख्या 9,59,850 है। दुर्ग क्षेत्र में कुल 851 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारी द्वारा दीपावली पर्व में ड्यूटी की गई।पुराने ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता पूर्व में ही मुख्यमंत्री विद्युत अधो-संरचना विकास योजना, आर.डी.एस.एस. स्कीम एवं मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना एवं अन्य योजना के तहत ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ा दी गई है एवं समय-समय पर ट्रांसफॉर्मरों का मेंटेनेंस कर लोड बैलेंसिंग का कार्य किया गया। दीपावली में लोड से बार-बार होने वाले बिजली फॉल्ट से निपटने के लिए बिजली कंपनी में दीपावली के पूर्व 33/11 के.वी. सब-स्टेशन, 33 एवं 11 के.वी. एल.टी. लाइनों एवं ट्रांसफॉर्मरों का मेंटनेंस किया गया है। दीपावली पर सामान्य दिनों की अपेक्षा बिजली की खपत सामान्य जैसी ही रहती है क्योंकि औद्योगिक कनेक्शन एवं पंप कनेक्शन दीपावली के समय बंद रहता है जिसके कारण खपत सामान्य जैसी ही रहती है।

बिलासपुर क्षेत्र

बिलासपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री ए.के. अम्बस्थ ने बताया कि बिलासपुर क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर जिला, मुंगेली जिला, गौरेला -पेण्ड्रा- मरवाही जिला तथा कोरबा जिला शामिल हैं। इस तरह बिलासपुर क्षेत्र में 2234 गांवों के 8.20 लाख निम्नदाब उपभोक्ता एवं 420 उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही हैं। बिलासपुर क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 203 उपकेन्द्र तथा 26823 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। क्षेत्र में कुल 889 फीडर हैं, जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 144 और 11 के.वी. फीडर की संख्या 745 हैं। इस तरह क्षेत्र में 2659 कि.मी. 33 के.वी. लाइन, 15595 कि.मी. 11 के.वी. लाइन तथा 24651 कि.मी. निम्नदाब लाइनें हैं, जिनके माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचती है। दीपावली पूर्व संधारण


श्री ए.के. अंबस्थ, बिलासपुर



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिन-रात जागकर दीपावली के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की। बहुत ही प्रसन्नता का विषय है कि हमारी बिजली इस त्यौहार के अवसर पर रोशनी का माध्यम और प्रतीक बनती है। शानदार कार्य के लिए मैं सभी को हृदय से बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

▪ श्री भीमसिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

कार्य के दौरान इन समस्त स्थापनाओं की जांच की गई और आवश्यकतानुसार सुधार कार्य किये गये। इस प्रकार दीवाली का विद्युत भार संयोजित व समन्वित किया गया कि किसी एक स्थान पर ज्यादा लोड न आये और पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। बिलासपुर क्षेत्र में दीपावली पर्व के दौरान 801 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति की गई है।

राजनांदगांव क्षेत्र


श्री शिरीष सैलट, राजनांदगांव

राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री शिरीष सेलट ने बताया कि राजनांदगांव क्षेत्र में कुल 732 फीडर है जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 137 और 11 के.वी फीडर की संख्या 595 है। राजनांदगांव क्षेत्र में कुल 27,261 ट्रांसफॉर्मर स्थापित हैं। सभी ट्रांसफॉर्मरों की जाँच कर एवं समय-समय पर लोड बैलेंसिंग किया गया।राजनांदगांव क्षेत्र में कुल उपभोक्ताओं की संख्या 6,49,185 है जिसमें एच.टी. उपभोक्ताओं की संख्या 287 तथा एल.टी. उपभोक्ताओं की संख्या 6,48,898 है। राजनांदगांव क्षेत्र में कुल 680 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारी द्वारा दीपावली पर्व में ड्यूटी की। पुराने ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता पूर्व में ही मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना, आर. डी. एस. एस. स्कीम एवं मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना एवं अन्य योजना के तहत ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता बढ़ा दी गई है एवं समय-समय पर ट्रांसफॉर्मरों का मेंटेनेंस कर लोड बैलेंसिंग किया जाता है। दीपावली में लोड से बार-बार होने वाले बिजली फॉल्ट से निपटने के लिए बिजली कंपनी में दीपावली के पूर्व 33/11 के.वी. सब-स्टेशन, 33 एवं 11 के.वी. एल.टी. लाइनों एवं ट्रांसफॉर्मरों का मेंटेनेंस किया जाता है। दीपावली पर सामान्य दिनों की अपेक्षा बिजली की खपत सामान्य जैसा ही रहता है क्योंकि औद्योगिक कनेक्शन एवं पंप कनेक्शन दीपावली के समय बंद रहता है जिसके कारण खपत सामान्य जैसा ही रहता है। कुल मिलाकर दीपावली की रात राजनांदगांव क्षेत्रान्तर्गत कुल 181 मेगावॉट से 190 मेगावॉट तक लोड मैनेज किया गया। जिसमें राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़- छुईखदान-गंडई एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला शामिल हैं।

अंबिकापुर क्षेत्र


श्री टी.के.मेश्राम, अंबिकापुर

अंबिकापुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी. के. मेश्राम ने बताया कि अंबिकापुर क्षेत्र के अंतर्गत अंबिकापुर शहर, बलरामपुर, जशपुर, पत्थलगांव, मनेन्द्रगढ़, बैकुण्ठपुर और सूरजपुर शामिल हैं। इस तरह अंबिकापुर क्षेत्र में 3123 गांवों के 788755 निम्नदाब उपभोक्ता एवं 206 उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही हैं। अंबिकापुर क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 147 उपकेन्द्र तथा 27950 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। क्षेत्र में कुल 86 फीडर हैं, जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 75 और 11 के.वी. फीडर की संख्या 516 हैं। इस तरह क्षेत्र में 3569.79 कि.मी. 33 के.वी. लाइन, 21821.2 कि.मी. 11 के.वी. लाइन तथा 39891.66 कि.मी. निम्नदाब लाइनें हैं, जिनके माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचती हैं। दीपावली पूर्व संधारण कार्य के दौरान इन समस्त स्थापनाओं की जांच की गई और आवश्यकतानुसार सुधार कार्य किये गये। इस प्रकार दीवाली का विद्युत भार संयोजित व समन्वित किया गया कि किसी एक स्थान पर ज्यादा लोड न आये और पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। अंबिकापुर क्षेत्र में दीपावली पर्व के दौरान 828 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति की गई है।

रायगढ़ क्षेत्र


श्री ए.के. अंबस्थ, बिलासपुर

रायगढ़ क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री ए के अम्बस्थ ने बताया कि रायगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत रायगढ़ एवं जांजगीर वृत्त शामिल हैं। इस तरह रायगढ़ क्षेत्र में 2307 गांवों के 6,61670 निम्नदाब उपभोक्ता एवं 321 उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही हैं। रायगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 202 उपकेन्द्र तथा 27616 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। क्षेत्र में कुल 826 फीडर हैं, जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 132 और 11 के.वी. फीडर की संख्या 694 हैं। इस तरह क्षेत्र मंत 2764.81 कि.मी. 33 के.वी. लाइन, 12260.34 कि.मी. 11 के.वी. लाइन तथा 13996.59 कि.मी. निम्नदाब लाइनें हैं, जिनके माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचती हैं। दीपावली पूर्व संधारण कार्य के दौरान इन समस्त स्थापनाओं की जांच की गई और आवश्यकतानुसार सुधार कार्य किये गये। इस प्रकार दीवाली का विद्युत भार संयोजित व समन्वित किया गया कि किसी एक स्थान पर ज्यादा लोड न आये और पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। रायगढ़ क्षेत्र में दीपावली पर्व के दौरान 406 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति की गई है।

जगदलपुर क्षेत्र


श्री एस.के. ठाकुर, जगदलपुर

जगदलपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री एस के ठाकुर ने बताया कि जगदलपुर क्षेत्र के अंतर्गत बस्तर, दंतेवाडा, सुकमा, बीजापुर, कांकेर, कोण्डगांव एवं नारायणपुर जिला शामिल है। इस तरह जगदलपुर क्षेत्र में 3758 गांवों के 7.98 लाख निम्नदाब उपभोक्ता एवं 166 उच्चदाब उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति की जा रही हैं। जगदलपुर क्षेत्र के अंतर्गत 33/11 के.वी. के 135 उपकेन्द्र तथा 30966 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित हैं। क्षेत्र में कुल 733 फीडर हैं, जिसमें 33 के.वी. फीडर की संख्या 570 और 11 के.वी. फीडर की संख्या 167 हैं। इस तरह क्षेत्र में 2753.79 कि.मी. 33 के.वी. लाइन, 21935.51 कि.मी. 11 के.वी. लाइन तथा 30911.44 कि.मी. निम्नदाब लाइनें हैं, जिनके माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचती हैं। दीपावली पूर्व संधारण कार्य के दौरान इन समस्त स्थापनाओं की जांच की गई और आवश्यकतानुसार सुधार कार्य किये गये। इस प्रकार दीवाली का विद्युत भार संयोजित व समन्वित किया गया कि किसी एक स्थान पर ज्यादा लोड न आये और पूरे क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे। जगदलपुर क्षेत्र में दीपावली पर्व के दौरान 603 अधिकारी एवं तकनीकी कर्मचारियों द्वारा निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत की आपूर्ति की गई है।



राज्य बिजली घरों के लिए सूचना सुरक्षा व साइबर आपदा प्रबंधन योजना को मंजूरी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के बिजली घरों के लिए मैनेजमेंट इंफारमेशन सिस्टम-इंफारमेशन टेक्नोलॉजी विभाग द्वारा बनाये गये सूचना व साइबर सुरक्षा मापदण्डों, अनुदेशों और योजना को कंपनी संचालक मण्डल की स्वीकृति मिल गई है। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस के कटियार ने कंपनी मुख्यालय तथा बिजलीघरों में कार्यरत अधिकारियों को साइबर सुरक्षा मापदण्डों का पालन करने का निर्देश दिया हैं।

विश्व साइबर सुरक्षा माह के अवसर पर भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय तथा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पूरे देश में जनजागरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत 25 अक्टूबर को सुरक्षा उपायों की समीक्षा की गई तथा यह जानकारी दी गई कि छत्तीसगढ़ में तीनों विद्युत उत्पादन संयंत्रों डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम, अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह को आई.एस.ओ. - 27001:2022 इन्फॉर्मेशन सिक्यूरिटी मैनेजमेंट सिस्टम (आई.एस.एम.एस.) एवं साइबर क्रायसिस मैनेजमेंट प्लान (सी.सी.एम.पी.) का पालन करना है। साथ ही एम.आई.एस.- आई.टी. द्वारा निर्मित साइबर सिक्यूरिटी टीप आधारित टेबल कैलेण्डर का विमोचन श्री एस.के. कटियार द्वारा किया गया।

विद्युत मंत्रालय एवं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा पॉवर सेक्टर में साइबर सुरक्षा के लिए जन-जागरूक अभियान के तहत पूरे विश्व में अक्टूबर माह को ''साइबर सुरक्षा माह'' के रूप में मनाया जा रहा है। इसी के तहत एम.आई.एस.- आई.टी. द्वारा साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में साइबर अटैक एवं उसके रोकथाम के घटकों के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार ने जनरेशन कंपनी के मुख्यालय एवं संयंत्र के अधिकारियों को साइबर सुरक्षा के लिए पॉलिसी गाइडलाइन का पालन करने हेतु आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोगिता के साथ-साथ साइबर खतरे, डाटा सिस्टम को हानिकारक वायरस से बचने हेतु हमें जागरूक रहना होगा। साइबर सिक्यूरिटी के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्य के लिए श्री कटियार ने ई.डी (ओ एंड एम) श्री एम.एस. कंवर, आई.टी सेल के अतिरिक्त मुख्य अभियंता नलिनी खाण्डे, अधीक्षण अभियंता श्री एम.के. नायक, कार्यपालन अभियंता श्रीमती अमिता बारा, सहायक अभियंता श्री महेंद्र देवांगन और पूरी टीम को बधाई दी।

...इसलिए मिला राज्य स्तरीय सम्मान

गणतंत्र दिवस तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में अध्यक्ष के हाथों सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कहानी, उनकी जुबानी



श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव
कार्यपालन अभियन्ता,
डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (नियामक कार्य एवं ऊर्जा प्रबंधन, रायपुर)

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2024) पर श्री कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए राज्यस्तरीय पुरस्कार से अलंकृत किया गया। उन्होंने विद्युत मण्डल के राजस्व में, विद्युत विनिमय द्वारा वर्ष 2023-24 में 2000 करोड़ रुपये से अधिक के लाभार्जन का योगदान दिया। प्रस्तुत है उनकी सफलता की कहानी- उन्हीं की जुबानी-

मैं, मई 1988 में कनिष्ठ अभियंता, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल नियुक्त हुआ। मैंने 1989 से 2010 तक कनिष्ठ अभियंता के तौर पर छत्तीसगढ़ अंचल के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सेवाएं दीं तथा 2010 से 2021 तक सहायक अभियंता तथा 2021 से अब तक कार्यपालन अभियंता के पद पर सेवाएं दे रहा हूँ। वर्तमान में विद्युत विपणन (क्रय-विक्रय) का चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहा हूँ।

पारेषण प्रणाली (ग्रिड) के सुरक्षित परिचालन हेतु यह अनिवार्य है कि किसी भी समय मे विद्युत की माँग एवं आपूर्ति में संतुलन बना रहे। अतः विद्युत की माँग के अनुरूप ही ग्रिड से विद्युत आहरण किया जाता है। प्रदेश में विद्युत की माँग, अलग-अलग मौसम में व दिन के अलग-अलग समय मे अलग-अलग रहती है साथ ही मौसम में अचानक परिवर्तन, विद्युत की माँग को बहुत अधिक प्रभावित करती है। विगत वर्ष 2023-24 में, यह विद्युत की माँग का उतार चढ़ाव 2622 मेगावाट से 6372 मेगावाट तक रहा तथा औसत माँग 4915 मेगावाट रही। छत्तीसगढ़ में विभिन्न स्थायी स्रोतों / संयंत्रों से चौबीसों घंटा की कुल आपूर्ति क्षमता लगभग 5500 मेगावाट है; साथ ही सौर, जल व पवन ऊर्जा संयंत्रों से भी अनुबंध के कारण कुल आपूर्ति क्षमता 6700 मेगावाट हो जाती है। प्रदेश में आपूर्ति क्षमता भी संयंत्रों के रख-रखाव व मौसम के कारण भी प्रभावित होती रहती है।

विद्युत की माँग एवं आपूर्ति में संतुलन हेतु, अलग-अलग मौसम व दिन के अलग-अलग समय में, विद्युत की माँग व आपूर्ति का सटीक अनुमान लगाना चुनौतीपूर्ण कार्य है। चूंकि विभिन्न स्रोतों / संयंत्रों से प्राप्त विद्युत की क्रय व विक्रय दर अलग-अलग होती है, अतः अतिशेष विद्युत का विपणन करते समय, "स्रोतों / संयंत्रों से क्रय की गई विद्युत का दर एवं पावर-एक्सचेंज में विद्युत की विनिमय दर" का ध्यान रखना अनिवार्य है। प्रथमतया, जिन संयंत्रों का प्रति यूनिट विद्युत दर, पावर-एक्सचेंज में विद्युत का विनिमय दर से कम है; उन संयंत्रों की विद्युत को पावर-एक्सचेंज के दे अहेड मार्केट/ आर टी एम मार्केट में विक्रय कर दिया जाता है जिससे कंपनी को अतिरिक्त आय होती है। द्वितीय यह कि, जिन संयंत्रों का प्रति यूनिट विद्युत दर, पावर-एक्सचेंज में विद्युत का विनिमय दर से अधिक है; उन संयंत्रों को बेकिंग-डाउन / सररेंडर कर विद्युत आपूर्ति (उत्पादन) को कम करा दिया जाता है जिससे उत्पादन संयंत्रों का देयक कम हो जाता है। माँग कि तुलना यदि आपूर्ति कम हो तो पावर-एक्सचेंज के दे अहेड मार्केट / आर टी एम मार्केट विद्युत क्रय करके माँग एवं आपूर्ति में संतुलन बनाने का प्रयास किया जाता है अथवा फिर लोड शेडिंग की स्थिति निर्मित हो जाती है। इसी प्रकार माँग व आपूर्ति का आगामी-महीनों के लिए अनुमान लगाया जाता है एवं प्रयास किया जाता है कि जिन महीनों मे दिन के विभिन्न टाइम स्लॉट सरप्लस पॉवर उपलब्ध है उस पॉवर को अन्य राज्यों के साथ बैंकिंग करके उन महीनों मे दिन के विभिन्न टाइम स्लॉट में पॉवर वापस लिया जाए। जिन महीनों मे माँग की तुलना मे आपूर्ति कम प्रतीत होती है उन महीनों मे दिन के विभिन्न टाइम स्लॉट में मार्केट से पॉवर खरीदने का प्रस्ताव बनाया जाता है।

मेरे द्वारा वर्ष 2023-24 में 2.00 रुपये प्रति यूनिट दर क्रय की गई 5316 मिलियन यूनिट को पावर-एक्सचेंज में 4.27 रुपये प्रति यूनिट दर 2269 करोड़ रुपये मे विक्रय किया गया, जिससे कंपनी को लगभग 1200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुई। पहले भी विद्युत बाधा के त्वरित निदान के लिए मेरे द्वारा अपने क्षेत्रों के विद्युत वितरण प्रणाली का अत्याधुनिक मानचित्र (जीपीएस प्रणाली आधारित) बनाया था। इसके लिए मैंने अमेरिका से स्वयं के व्यय पर अति उन्नत उपकरण मंगाया। ये उपकरण भारत में उपलब्ध नहीं थे। 2006 में मैंने कार्य क्षेत्र के 33 के.वी., 11 के.वी., एलटी लाइन व 11 के.वी. के सभी ट्रांसफार्मर का जीयो टेपिंग कर विद्युत लाइन का मैप बनाना प्रारम्भ कर दिया था। इन मानचित्रों के कारण नई विद्युत वितरण का खर्च कम हो गया। मेरे पास आज भी उस कार्यकाल के कवर्धा शहर एवं पंडरिया वितरण-केंद्र का सम्पूर्ण (33के.वी., 11के.वी., एलटी लाइन व 11के.वी. के सभी ट्रांसफार्मर युक्त) मानचित्र उपलब्ध हैं जो कि कवर्धा शहर आर-एपीडीआरपी के कार्य से पहले ही तैयार कर लिए गए थे।





राज्योत्सव में ऊर्जा विभाग के मंडप में हरित ऊर्जा के प्रादर्श, मिला तृतीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के अवसर पर नवा रायपुर में आयोजित राज्य-स्तरीय प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ शासन के विभिन्न विभागों के मंडप लगाए गए थे जिसमें ऊर्जा विभाग के मंडप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज द्वारा संयोजित ऊर्जा विभाग के मंडप में हरित ऊर्जा की विभिन्न योजनाओं को चलित प्रादर्शों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया था। इसमें राज्य विद्युत निरीक्षक कार्यालय, छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा), छत्तीसगढ़ बायो फ्यूएल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सी.बी.डी.ए.) द्वारा संचालित योजनाएं भी शामिल थीं। इस प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय सहित विभिन्न माननीय मंत्रीगण, वरिष्ठ अधिकारीगण द्वारा किया गया। ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव का विशेष मार्गदर्शन रहा तथा वे कई बार प्रदर्शनी में उपस्थित हुए।

ऊर्जा विभाग के मंडप में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना, पम्प स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजना, पी.एम. कुसुम योजना, सौर सुजला योजना, नियद नेल्लानार योजना, पी.एम.जन मन योजना, सोलर ग्राम, राजनांदगाँव में भारत के सबसे बड़े बैटरी स्टोरेज आधारित सोलर पार्क आदि के प्रादर्श रखे गए थे।

इसके अतिरिक्त डिजिटल स्क्रीन से पी.एम. सूर्य घर हेतु ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन, मोबाइल ऐप बना बिजली दफ्तर, बिजली संबंधी जानकारी एवं शिकायत हेतु कॉल सेंटर डायल 1912, बिजली सुरक्षा संबंधित जानकारी, बिजली संबंधित प्रश्नोत्तरी "मैं बनूँगा ऊर्जावीर" ऑनलाइन प्रतियोगिता, ऊर्जा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों का प्रदर्शन उल्लेखनीय था।

यह प्रदर्शनी श्री संदीप कुमार वर्मा, कार्यपालक निदेशक, रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के नेतृत्व में सजाई गई थी जिसमें विभिन्न अभियंताओं सर्वश्री अशोक खण्डेलवाल, बिम्बिसार, विकास शर्मा, मनोज बजाज, आर.पी.कश्यप, नीरज वर्मा, मनोज वर्मा एवं मुरारी जी हरि का विशेष सहयोग था।

धान मिंजाई के दौरान विद्युत लाइनों की सुरक्षा का रखें ध्यान

पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी प्रबंधन द्वारा किसान भाइयों से अपील

छत्तीसगढ़ राज्य में प्रायः सभी स्थानों पर अब धान की फसल पक चुकी है तथा किसानों द्वारा धान की मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान खेत खलिहानों से गुजरने वाली लाइनों पर दुर्घटना की कुछ खबरों ने पॉवर कंपनी प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया है। दुर्घटना के कारणों और निदान के संबंध में पॉवर कंपनी द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है। जिसमें किसान भाइयों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

धान मिंजाई का कार्य थ्रेसर मशीनों से किया जाता है। इस दौरान खेत-खलिहानों से गुजरने वाली एलटी लाइनें, 11 केवी तथा 33 केवी लाइनों में जाकर मिंजाई के दौरान उड़ने वाला पैरा या भूसा, लाईनों में जा कर चिपक जाता है। प्रातः काल ओस के कारण पैरा या भूसा में नमी आती हैं तब लाइनों के तार आपस में सम्पर्क में आते है। जिससें निर्बाध विद्युत व्यवस्था बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार किसानों द्वारा धान मिंजाई के कार्य के उपरांत पैरा या भूसा का ढेर विद्युत लाइनों के नीचे रखने से भी पैरा या भूसा में आग लगने की संभावना लगातार बनी रहती है, जिससे जान-माल की हानि के अलावा लम्बा विद्युत व्यवधान होने की संभावना भी रहती है। इस समस्या से निदान पाने के लिए विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों तथा मैदानी अधिकारियों द्वारा किसानों से लाइनों के नीचे धान मिंजाई का कार्य नहीं करने हेतु आग्रह किया गया है। ऐसी सावधानी प्रदेश के सभी स्थानों पर बरती जानी चाहिये।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के रायपुर ग्रामीण क्षेत्र कार्यपालक निदेशक श्री संदीप



वर्मा ने बताया कि रायपुर ग्रामीण, धमतरी, कुरूद, गरियाबंद, महासमुंद, सरायपाली, बलौदाबाजार के मैदानी अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंच तथा सचिवों से व्यक्तिगत संपर्क कर आग्रह किया गया है कि विद्युत व्यवस्था निर्बाध रूप से बनाये। रखने हेतु लाइनों के नीचे धान मिंझाई का कार्य नहीं किया जाए। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक ग्राम में इसकी मुनादी कराई जाये। अधिकारियों द्वारा बनाये गए विभिन्न वितरण केन्द्रों के वाट्सअप ग्रुप में भी इस तथ्य को शेयर किया गया है। जिससे अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों तक भी यह संदेश पहुँचाया जा सकें तथा उनका अपेक्षित सहयोग प्राप्त किया जा सके।





स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर, डंगनिया, रायपुर

अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य के अंतर्गत मध्यप्रदेश विद्युत मंडल का मुख्यालय जबलपुर में स्थित था तब मध्यप्रदेश का लोड डिस्पैच सेंटर, भार प्रेषण केंद्र भी जबलपुर में ही था, जिसके जरिए छत्तीसगढ़ में भी (भार प्रेषण केंद्र) विद्युत उत्पादन व आपूर्ति की मानीटरिंग की जाती थी।

वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया तथा मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से विभाजन उपरांत छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल का गठन 15 नवम्बर 2000 में हुआ। इस विभाजन के बाद छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की सबसे बड़ी चुनौती थी राज्य भार प्रेषण केन्द्र का सुचारू रूप से संचालन करना। राज्य गठन के एक माह उपरांत ही इस हेतु 400 केवी सबस्टेशन, खेदामारा भिलाई, के परिसर में 1 दिसम्बर 2000 से राज्य भार प्रेषण केंद्र ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया। वर्ष 2009 में भार प्रेषण केन्द्र का स्थायी भवन राज्य मुख्यालय डंगनिया रायपुर में बनाये जाने का प्रस्ताव प्रेषित किया गया। खेदामारा से एसएलडीसी को रायपुर में निर्मित नए और आधुनिक जरूरतों के अनुकूल विकसित भवन में जनवरी 2012 में स्थानांतरित किया गया। वहीं खेदामारा में वर्ष 2016 में नए भवन में बैकअप एसएलडीसी का संचालन शुरू किया गया।

संवैधानिक पहचान

इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत राज्य भार प्रेषण केन्द्र का संचालन किसी सरकारी कम्पनी या किसी राज्य अधिनियम के तहत स्थापित या गठित किसी प्राधिकरण या निगम द्वारा किया जाएगा, जैसा कि राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

बशर्ते कि जब तक किसी सरकारी कंपनी या किसी प्राधिकरण या निगम को राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित नहीं किया जाता है, तब तक राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटी राज्य भार प्रेषण केंद्र का संचालन करेगी।

आगे यह भी प्रावधान है कि कोई भी राज्य भार प्रेषण केन्द्र विद्युत के व्यापार में संलग्न नहीं होगा।

सेंट्रल सेक्टर में लोड डिस्पेच सेंटर

छत्तीसगढ़ राज्य पश्चिमी क्षेत्र ग्रिड का एक घटक है। अन्य राज्य हैं, गुजरात, मध्य प्रदेश,



महाराष्ट्र और गोवा, दमन और दीव सहित सभी राज्य लोड डिस्पैच केंद्रों को मुंबई स्थित पश्चिमी क्षेत्र लोड डिस्पेच केंद्र के निर्देशों का पालन करना होता है।

पश्चिमी क्षेत्र को देश में सबसे पहले 2002 से केंद्रीय क्षेत्र के बिजली तारों के लिए उपलब्धता आधारित टैरिफ एबीटी लागू करने का गौरव प्राप्त है, जिसके बाद ग्रिड संचालन में व्यापक बदलाव आया है। इसके साथ ही, बिजली की अधिकता अथवा कमी के आधार पर अंतरक्षेत्रीय बिजली व्यापार शुरू हो गया। ऐसे में एसएलडीसी की जिम्मेदारी अधिक थी कि कोई भी लाइन ओव्हर लोड न होने पाए, साथ ही उत्पादित हर एक यूनिट बिजली का लेखा-जोखा रखा जिससे उत्पादक, पारेषण और उपभोक्ता के बीच पारदर्शी लेन-देन की व्यवस्था बनी रहे। आज एसएलडीसी से 83 इकाइयाँ पंजीकृत हैं जिसमें 28 कैप्टिव पॉवर प्लांट भी शामिल हैं। इसलिए लोड डिस्पैच सेंटर की भूमिका इस बिजली के व्यापार में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई।

एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि पूर्वी क्षेत्र, जो उस समय बिजली अधिशेष वाले राज्यों का समूह था, को वर्ष 2003 से नव.स्थापित 400 केवी राउरकेला-रायपुर (पीजीसीआईएल) डबल सर्किट लाइन के माध्यम से पश्चिमी क्षेत्र के साथ समन्वित किया गया। इससे पूर्वी क्षेत्र के राज्यों से पश्चिमी क्षेत्र के राज्यों को अतिरिक्त बिजली का हस्तांतरण संभव हो पाया और आवृत्ति प्रोफ़ाइल में सुधार हुआ।

वर्तमान में एसएलडीसी राज्य के विभिन्न सब स्टेशनों के साथ-साथ राज्य में केंद्रीय क्षेत्र की 28 रीमोट टर्मिनल यूनिट (आरटीयू) से जुड़ा हुआ है और मुख्यालय में कंपनी प्रमुखों को 09 सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एक्विजिशन स्काडा टर्मिनलों की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन 20 अप्रैल 2005 का दिन रहा, जब केंद्रीय ग्रिड जो उत्तर.पूर्व, पूर्व और पश्चिम राज्यों के बीच भूमिका निभा रहा है को 400 केवी गोरखपुर-मुजफ्फरपुर डबल सर्किट लाइनों के माध्यम से उत्तरी ग्रिड के साथ समन्वित किया गया। वर्ष 2007 से पारेषण लाइनों की खुली पहुंच की शुरूआत की गई और अब एसएलडीसी अल्पावधि खुली पहुंच के लिए नोडल एजेंसी है।

आज छत्तीसगढ़ का एसएलडीसी हजारों मेगावॉट हर क्षण बिजली पारेषण की निगरानी करता है। इस जटिल निगरानी तंत्र को संचालित करने के लिए पॉवर कंपनी ने लगातार अपनी व्यवस्थाओं को अद्यतन (अपडेट) किया है। विकसित प्रौद्योगिकी को एसएलडीसी का अविलम्ब हिस्सा बनाया गया। वर्ष 2002 में सुपरवाइजरी कंट्रोल एवं डाटा एक्विजीशन सिस्टम (स्कॉडा) की शुरूआत हुई, इससे निगरानी तंत्र में कसावट लाई गई। वेब आधारित एनर्जी शेड्यूलिंग सिस्टम लागू किया गया। आज इसी का परिणाम है कि सिस्टम को सिन्क्रोनाइज रखते हुए पारेषित बिजली की आवृत्ति (फ्रिक्वेंसी) 49.9 से 50.05 हर्टज बनाए रखने में सफलता मिली हैं। छत्तीसगढ़ की एसएलडीसी ने पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए 17 नवंबर 2009 को पहली बार वेबसाइट (www.sldc.cg.com) को शुरू किया।

राज्य भार प्रेषण केंद्र के कार्य

- ब्लैक ऑउट की स्थिति से निपटने के लिए निर्धारित अंतराल में मॉक ड्रिल का आयोजन।
- इससे 37 अंतरराज्यीय इकाइयों को 4702 मेगावॉट बिजली का पारेषण।
- सिस्टम इंटिग्रेशन कर डेविएशन सेटलमेंट मेकेनिजम (डीएसएम) ट्रांसमिशन लॉस सिस्टम ऑपरेशन, शेड्यूलिंग को समन्वित करना।
- किसी राज्य में लाइसेंसधारियों या उस राज्य में कार्यरत विद्युत उत्पादक कम्पनियों के साथ किए गए अनुबंधों के अनुसार, राज्य के भीतर विद्युत के अनुकूलतम निर्धारण और प्रेषण के लिए जिम्मेदार होना।
- ग्रिड संचालन की निगरानी करना।
- राज्य ग्रिड के माध्यम से प्रेषित बिजली की मात्रा का लेखा रखना।
- अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली पर पर्यवेक्षण और नियंत्रण रखना।
- ग्रिड मानकों और राज्य ग्रिड कोड के अनुसार राज्य ग्रिड के सुरक्षित और आर्थिक संचालन के माध्यम से राज्य के भीतर ग्रिड नियंत्रण और बिजली के प्रेषण के लिए वास्तविक समय संचालन करने के लिए जिम्मेदार होना।



एसएलडीसी के ढाई दशक के सफर को इस पड़ाव पर खड़े होकर देखना अलग सुकून देता है। विद्युत क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियों में से एक उचित पारेषण प्रणाली का संचालन होता है। राज्य का भार प्रेषण केन्द्र न केवल इसके लिए तैयार है, बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए अपने आप को लगातार अद्यतन (अपडेट) भी कर रहा है। जिस प्रकार से राज्य का भार प्रेषण केन्द्र विद्युत पारेषण की पूरी व्यवस्था को संतुलित और समन्वित कर आगे बढ़ रहा है हम यह कह सकते हैं कि हजारों मेगावॉट विद्युत को नियंत्रित पारेषण करने वाला स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर सही मायनों में पॉवर ट्रैफिक कंट्रोलर है।

श्री संजय पटेल
कार्यपालक निदेशक
एसएलडीसी, रायपुर

Chhattisgarh is Striving towards solar and hydel generation

Interview with MD CSPGCL Shri S. K. Katiyar



Shri Sanjiv Kumar Katiyar,Managing Director,Chhattisgarh State Power Generation CompanyLimited(CSPGCL),Spoke about the current state of the power sector in chhattisgarh as well as CSPGCL'S key operational and financial highlights,upcoming projects,future plans and targets, and top priorities going forward.

- **What is your perspective on the current state of the power sector in chhattisgarh?**

- **Please give us an overview of CSPGCL'S existing capacity and operations.**

CSPGCL is currently operating generating plants with 2978 megawatt of capacity (Coal:2940 megawatts , hydro 138 megawatt). Its thermal unit consist of:

THERMAL UNITS IN CHHTTISGARH

THERMAL STATIONS			
Sr. No.	Name Of The Plant	Capacity	Date Of Commissioning
1	Hasdeo thermal power stations	4×210 M.W	1983-86
2	Korba west (TPS) extension	1×500 M.W	2013
3	Dr. Shayama prasad mukherji (Korba east)	2×250 M.W	2006-07
4	Atal Bihari vajpayee (TPS) Madwa	2×500 M.W	2016

THERMAL UNITS IN CHHTTISGARH

HYDRO POWER STATIONS			
Sr. No.	Name Of The Hydro Power Stations (HPS)	Capacity	Date Of Commissioning
1	Hasdeo Bango Hydro power station	3×40 M.W	1994-95
2	Gangrel HPS	4×2.5 M.W	2004-05
3	Sikasher HPS	2×3.5 M.W	2006
4	Mini Micro HPS korba west	2×850 K.W	2003, 2009

- 2x3.5 MW Sikasher HPS(2006)
- 2X850 KW Mini Micro HPS Korba west (2003,2009)(On return line of cooling water outlet)

Moreover,CSPGCL has been allotted a coal mine, Gare palma III , in Raigarh district. It has an annual production capacity of 5 million tonnes of vcoal, dedicated to the 2x500 MW AVBTPS, Marwa, which has been in operation since 2018.

The power generation sector is undergoing a transformative phase.The latest trend indicate a pronounced shift towards renewable energy sources. As we witness the global push for sustainability and decarbonisation, our industry is aligning with these imperatives. We see a growing emphasis on solar, wind,biomass and the emerging potential of green energy .India is committed to achieving 100 percent renewable energy by 2070.These renewable sources are just alternatives- they are becoming central to our energy strategies. The same is true for chhattisgarh, and by 2047 half of the total energy requirement of the state will be met through renewable energy. In chhattisgarh, the potential of wind energy is negligible, Hence more emphasis is on solar and hydro (Mainly pump storage).

- **What have been the key operational highlights of CSPGCL in the past one year or so?**

CSPGCL, has always emphasized efficient power generation at a reasonable price. Through effective maintainance planning, spare part management and timely completion of the annual overhauling of units, our efficiency has been enhanced, resulting in better plant load factor (PLF), considering savings with respect to secondary oil consumption and reduction in oxyliary power consumption.

During 2023-24

- As per report publised by the central electricity authority CSPGCL achieved a PLF of 84.45 percent highest among all indians states.
- DSPM (TPS) - 2×250 M.W. achieved a PLF of 92.73 percent and secured 3rd position among all central, state and

private sector power stations.

- Our specific oil consumption was 0.285 M.L Per KWH, which was our lowest ever.
- Our Auxiliary consumption was 6.92 percent.
- The Gare Palema-III coal mine was awarded with four 1st prizes by the Director General of Mines Safety in 2023.

- **How has CSPGCL performaed financially?**

Performance of CSPGCL over the past 3 years				
financial year	Generation M.Us	PLF (percent)	Auxiliary consumption (percent)	Specific il consumption (ML/KWH)
2021-22	17,514.53	70.40	7.81	0.47
2022-23	17,709.58	71.18	7.42	0.53
2023-24	21,068.40	84.45	6.92	0.28

The annual turnover of CSPGCL in 2023-24 was Rs. 75 Billion and the profit before tax was Rs. 8.81 Billion – The highest so far.

- **What have been the noteworthy initiatives of CSPGCL in the areas of emission control, fly ash management, etc?**

CSPGCL is very concern about enviromental compliances. our emission is within the norms prescribed by The ministry of Environment/National Green Tribunal. To further reduce emissions we took initiatives of installation of flue gas desulphurisation and modified coal burners and the use of coal addictives for better combustions are being implemented.

With respect to fly ash mangement, CSPGCL is committed to achieving 100 per cent ash utilisation. Currently Ash is being utilize at the NHAI, Cement Plants and abandoned mines, as well as for the filling of low –lying areas, manufacturing of bricks.

CSPGCL has undertaken considerable plantation to build a sustainable environment. We carried out plantation through Chhattisgarh Rajya Van vikas Nigam, along with fencing and care taking for further 3 to 5 years with the survival rate of 90 percent. our effluent water is treated as effluent treatment plant and our sewage water is treated in sewage treatment plants, both at the township and the plants.

- **What are the key issues and challenges being faced by CSPGCL?How are these being addressed?**

Despite the promising trends, our industries faces several challenges, reducing carbon emissions remains the primary concern. Integrating renewable energy with our existing grids requires advance technologies and innovative solutions, in order to maintain grid stabillity. moreover the transition to sustainable energy sources call for significant investment and policy support.

1. Solar : ensuring the ability of power from 4 to 5 P.M in the evening, to 9 A.M in the morning is the key challenge. However battery storage has limitation in terms of cost advantages and dependibility of imported materials.

2. Flexi operation of Thermal Power Generation Units : Flexy operation requires changes in design and operational practices to achieve required Ramp rate for grid stability when power is being derived from renewable sources.

3. Hydro : Hydrogen entails a high cost currently Rs 300-400 per K.G More energy than other sources and large quantity of water. There are issues with importing materials required for the electrolysis process, storage and transportation.

4. Pump storage Hydro : Pump storage projects have long gestation period (6 to 7 years) and are dependent on imported technologies.

- **What are CSPGCL'S future plans?What is the planned capex for the next three to four years?**

In order to meet the future energy demand, CSPGCL has planned and energy mix with thermal, pumped storages hydro and solar powers to harness sustainable energy sources. Our future projects include:

1. 2x660 M.W Super Critical thermal power projects at Korba West for which bids have been invited. The estimated cost is Rs. 129.15 Billion.
2. 1x660 M.W. Super Critical thermal power extension unit at ABVTPS Madwa detailed project report (DPR) Preparation is in the final stage.
3. DPR has been prepared for the installation of a 30 M.W Solar Power Project on an abandoned Ash dyke.
4. Five Pumped storage projects a gregating 7300 M.W. of capacity have been indentified and are being developed, these are-

- 800 M.W. Hasdeo Bango Pumped storage project in Korba district terms of reference have been received and DPR preprations is in progress.
- 1200 M.W. Sikasher pumped storage project in Gariyaband district, NTPC has shown interest in developing this through a joint venture.
- 2100 M.W. Rouni pumped storage project in Jashpur district. THDC has shown interest in developing this through a joint venture.
- 1400 M.W. Dangari pumped storage project in Jashpur district, THDC has shown interest in developing this through a joint venture.
- 1800 M.W. Kothpali Pumped storage project in Balrampur district, SJVN has shown interest in developing this through a joint venture.

- **What is your outlook for chhattisgarh's power sector in the near to medium term?**

Chhattisgarh is rich in minerals. coal, iron ore and other minerals are found here in considerable quantities. Hence coal based TPS (Operated by State Gencos, NTPC and Private producers) are major contributors of energy. However, considering the Paradigm shift towards renewable energy, there has been a thrust towards the development of the solar energy, floating solar and pumped storage HPS's. The share of renewable energy in the state total energy shall be enhanced to 50 percent by 2046-47 and 100 percent by 2070.

Improving the efficiency and reliability of power generation is a continuous endeavour. Upgrading our existing infrastructure and investing in new, more efficient technologies are essential.These steps are growing electricity demand while maintaining high standards ofreliability and sustainability.

(in an interview with power line)



Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

POWER SECTOR ROUND UP 4

Break Through

1. On 21st November, THDC operationalised India's first variable-speed Pumped Storage Plant with 250MW capacity. Thefull project of 1000 MW (costing over 7000 Cr and time span of 13 yrs) is expected to be completed by the end of 2025. (Source ET Energy world).
2. One of the 825 MW reactors (U#2) at the Onagawa nuclear plant in Japan, has resumed power generation for the first time since the Fukushima nuclear disaster on March 11, 2011.The reactors at the plant are of the same boiling water type as those at Tokyo Electric Power Company's Fukushima Daiichi nuclear plant. (Source NDTV.com).
3. According to new documents, the world's largest planned RE project at Western Green Energy Hub (WGEH) would be simply mammoth. At full development, the project will have a capacity of 70GW and will generate over 200TWh(Australia'slast year total generation was 274TWh). The project will be spread across 22,700 sq. km of coastal desert land with up to 3,000 wind turbines – ranging from 7MW to 20MW (China's current largest onshore wind turbine is of 15 MW). The project will also have up to 60 million PV panels spread out across 35 solar farms with potential to produce about 3.5 mntonnes of green hydrogen per yearand green Ammonia as base case for export. The 7stageproject with installation of up to approximately 35 different "nodes" of around 2-3GW each will have construction phase of around three decades. (Source Recharge News).
4. On 12th November, TPREL commissioned one of India's largest floating solarpower plantat Omkareshwar in 26 months. The 126 MW project awarded by NHDC, costs about Rs 596 Cr and is equipped with 213,460 bifacial glass-to-glass modules with annual expected generation of about 205 MU. (Source Energyworld)

Policy Initiative

5. The Ministry of Power is likely to launch a 1,000-crore scheme by the end of this month aimed to encourage MSMEs to adopt energy-efficient technologies by offering financial support in the form of interest subvention. The proposed scheme, named Assistance in Deploying Energy Efficient Technologies in Industries & Establishment (ADEETIE), will be managed by BEE. (Source ET Energy world).

Legal / Regulatory

6. After 3 yearlong court room battle, Eminent Electricity Distribution Ltd, a subsidiary of R P – Sanjiv Goenka group CESC Ltd, has received LOI for acquiring Electricity Distribution and retail Supply in Chandigarh. The Company had filed highest bid of Rs 871 Cr in the tender called in 2021. (Source The Economic

Times).

7. With stay by Delhi HC on SECI ban, Reliance Power & its subsidiaryReliance NU BESS (earlier MahrashtraEnergy Generation) has recived some breathing space in submission of fake EMD running in Crores in a 2000 MWh tender in June 2024. (Source ET).
8. Meeting the deadline, on 29th November, all the three state power companies of Chhattisgarh filed their Capital Investment Plan petition for FY 25-26 along with True up for 23-24 and Tariff for FY 25-26 petitions before CSERC.

Commercial

9. In November first week, NTPC board approved investment proposals worth about Rs 80,000 Cr for thermal projects totalling 6,400 MW (12.5 Cr/ MW). It includes Telangana STPS Phase-II (3x800 MW) at current estimated cost of Rs 29,344.85 Cr, Gadarwara STPS, Stage-II (2x800 MW), at Rs 20,445.69 Cr and Nabinagar STPS Stage II (3x800 MW) at Rs 29,947.91 Cr. (Source Economic Times).
10. BHEL has won NTPC order for main plant package of 3X800 MW Telangana STPS Phase, while L&T's has won ordersfor Gadrwara and Nabinagar. (CNBC TV18)
11. In an attempt to ensure grid stability with increasing volumes of clean energy, CEA is planning to overhaul its forecasting process. CEA is seeking cooperation with weather agencies and plans more frequent forecasts to account for unexpectedevents. Further, thedetailed demand assessment currently done every five years, willnow be made every two years and eventually on annual basis. (Source Economic Times)
12. On November 7, Tata Power has entered into a 25-year long strategic partnership with Noida International Airport (NIA) for RE integration.The partnership will see a total investment of Rs 550 crore in solar and wind power supply, as well as the development of essential dry utilities and smart energy infrastructure.Under the deal, Tata Power Trading Company Ltd. will supply 10.8 MW of wind power to NIAand Tata Power Renewable Energy Ltd. (TPREL) will develop, operate, and maintain a 13 MW onsite solar power capacity. (Source Economic Times)
13. In a relief to TPPs, in November total Coal production rose to 90.62 MT (up by 7.2% from last year). Captive mine contribution at 17.13 MT was about 19%. Cumulative FY 2024-25 production reached 628.03 MT, up 6.21%.However, interestingly another report shows that in the first half of current FY import of non coking coal at 91.92 MT was also about 10% higher than last year. (Source : ET)

MARKET

14. In October- November the average DAM & RTM prices were Rs 3.61 & Rs 3.59, witnessing a fall of 33% and 29% respectively on YoY basis. At Rs 0.49 in DAM and Rs 3.41 in RTM, drop in minimum prices was even more sharp. The DAM peak remained capped at Rs 10 but RTM at Rs 3.77 was down by 38%. The decline is attributed to a surge in RE generation, favourable Mansoon& also to demand slow down. (Source ET Energy World).

JVs / MoUs

15. As per reports, ONGPL, an equal JV between ONGC Green and NTPC Green, is set to acquire 100% stake in Ayana Renewable Power for $700-750 million, according to people The JV has nearly completed the negotiations with Ayana's current shareholder. The deal values Ayana at $1.7-1.8 billion and includes 4.6 GW of operational and under-construction RE assets. (Source The Mint).
16. Before listing of NTPC GreenEnergy Ltd (NGEL) on 27th November, on 25thNGEL set up a 50:50 JV with MSPGCL named MAHAGENCO NTPC Green Energy Private Limited (MNGEPL), which will develop, operate and maintain RE parks in Maharashtra. Further, on 26th, it signed MOU with CSPGCL for development of 2000 MW RE power including floating solar. Earlier NGEL also forged a JV with New and Renewable Energy Development Corporation of Andhra Pradesh (NREDCAP) for setting up RE energy projects with investment of Rs 1,87,000 Cr.

CHALLENGE

17. Amid the Adani – SECI- US controversy, as per a report in fintech magazine Money-control, titled "Green in the Red", about 30 GW of green projects have no takers. SECI alone has about 9 GW unsold power. However, another news in "The Hindu buisnessline" quote the unsigned PPA figure at 55 GW (total capacity of 224 contracts among 357 analysed by JM Financial), awarded during FY23 to YTD FY25 (April-October). Delays are largely due to surge in bids (April 23 mandate by the GoI to CPSUs - SECI, NTPC, NHPC and SJVN to bid 50 GW RE projects every year till 2028), mismatch with demand, divergent views on success of hybrid, declining prices and constraints in timely execution of projects.



सर्वश्री अरविंद कुमार सोलोमोन, अशोक कुमार साहू, सीताराम साहू, हसेंद्र कुमार वर्मा, मूल सजीवन शर्मा - कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री अरविंद कुमार सोलोमोन, रायपुर, लाइन सहायक श्रेणी-एक, श्री अशोक कुमार साहू, भिलाई, लाइन सहायक श्रेणी-दो, श्री सीताराम साहू, भिलाई, लाइन परिचारक श्रेणी-एक, श्री हसेंद्र कुमार वर्मा, भिलाई, फार्मासिस्ट श्री मूल सजीवन शर्मा, रायपुर को प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला द्वारा प्रशस्ति पत्र, घड़ी, शॉल एवं श्रीफल से सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक श्री के.एस.मनोठिया, श्री एम.एस.चौहान, श्री संजय पटेल, श्री डी.के. तुली, मुख्य अभियंता श्री जी.आनंद राव, सी.एम.ओ. डॉ. एच.एल. पंचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन अधिकारी श्री गोविंद पटेल तथा आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता श्री राजेश सिंह द्वारा किया गया।

श्री युवराज सिंह खुरश्याम - डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से माह नवम्बर में श्री युवराज सिंह खुरश्याम, कनिष्ठ पर्यवेक्षक को संयंत्र प्रबंध द्वारा विदाई दी गई। कार्यक्रम मे मुख्य अभियंता संजीव कंसल, अति. मुख्य अभियंता राजेश्वरी रावत, एल.एन. सूर्यवंशी एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ मालती जोशी उपस्थित थे। कार्यपालन अभियंता नीलम शर्मा द्वारा कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन अधी. अभियंता (मा.संसा.) देवी शंकर राय के द्वारा किया गया।





श्री सुनील कुमार वंजारी - रायपुर शहर क्षेत्र अंतर्गत रायपुर (उत्तर) संभाग में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री सुनील कुमार वंजारी को 30 अक्टुबर को सेवानिवृत्त होने पर कार्यपालक निदेशक (रायपुर शहर क्षेत्र) श्री जे एस नेताम द्वारा सम्मानित किया गया। विदाई समारोह के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री जगन्नाथ प्रसाद,कार्यपालन अभियंता श्री अमित कुमार, श्री नवीन एक्का, मनीष ठाकुर, श्रीमती रूपल रामटेके समेत अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।



सर्वश्री संदीप कुमार धवन, दादूराम लाठिया, श्रीमती जीवंती बाई - हसदेव ताप विद्युत गृह में 29 नवंबर को कार्यपालन अभियंता श्री संदीप कुमार धवन, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री दादूराम लाठिया एवं दफ्तरी श्रीमती जीवंती बाई को भावभीनी विदाई दी गई। अति.मुख्य अभियंताश्री पी.के स्वेन, श्री सुधीर कुमार पंड्या, श्री राजेश कुमार पांडेय, श्री संजय कुमार तिवारी एवं श्री के.सी अग्रवाल उपस्थित थे। समारोह का संचालन कल्याण अधिकारी श्री सुरेश सिंह कंवर ने किया।



सर्वश्री गुहा प्रसाद राठौर, आत्मा राम राठौर, संतोष कुमार भारद्वाज, देवसिंह कंवर, राजेश त्रिपाठी, जीवन प्रकाश चंद्रा, एरेनियुश मिंज, सम्मे लाल चंद्रा, जगत दास, सुबैया, श्रीमती रोसलिंड सिम्स - हसदेव ताप विद्युत गृह में 30 अक्टूबर को कनिष्ठ पर्यवेक्षक सर्वश्री गुहा प्रसाद राठौर, आत्मा राम राठौर, संतोष कुमार भारद्वाज, देवसिंह कंवर, राजेश त्रिपाठी, जीवन प्रकाश चंद्रा, एरेनियुश मिंज, सम्मे लाल चंद्रा, जगत दास, भृत्य श्रीमती रोसलिंड सिम्स एवं संयंत्र परिचारक श्रेणी दो श्री सुबैया को विदाई दी गई। कार्यक्रम अति. मुख्य अभियंता श्री पी.के स्वेन, श्री एम.के गुप्ता एवं श्री सुधीर कुमार पंड्या के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। संचालन कल्याण अधिकारी श्री सुरेश सिंह कंवर द्वारा किया गया।



श्री सुधीर ताम्रकार - दुर्ग क्षेत्र में पदस्थ निज सचिव श्री सुधीर ताम्रकार के सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्ण विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता श्री एम. जामुलकर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एच.के.मेश्राम, अधीक्षण अभियंता श्री एस.मनोज उपस्थित थे। आयोजितकार्यक्रम में कार्यालय सहायक श्रेणी दो श्री पुनेन्द्र कुमार पटेल को भी भावभीनी बिदाई दी गई।

श्री नानक देव बघेल - अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा से अक्टूबर में वरिष्ठ पर्यवेक्षक के पद से सेवानिवृत्त हुए श्री नानक देव बघेल को विदाई दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता श्री एच. एन. केसरिया के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारी को स्मृति चिन्ह व सेवा प्रमाण पत्र भेंट किया गया।



खेल सितारा

ओलंपिक तक के सफर में राज्य विद्युत निगम का अमित योगदान

उत्तरप्रदेश के हॉकी खिलाड़ी श्री दानिश मुजतबा से बातचीत...



ओलंपिक में पहुंचना किसी भी खिलाड़ी का सबसे बड़ा सपना होता है। क्या आप सोच सकते हैं कि किसी स्टेट इलेक्ट्रिसिटी यूटीलिटी का कोई खिलाड़ी ओलंपिक तक पहुंच सकता है? जी हां, ऐसा हो सकता है क्योंकि इसका साक्षात उदाहरण हमें श्री दानिश मुजतबा के रूप में देखने को मिला, जब हॉकी के ये ओलंपियन 46वीं अखिल भारतीय विद्युत लॉन टेनिस स्पर्धा में उत्तप्रदेश की टीम को लेकर छत्तीसगढ़ आए थे। दानिश का कहना है कि यू.पी. स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन से निकलकर ओलंपिक में जाना उनके लिए भी एक सुखद अनुभव रहा क्योंकि स्टेट यूटीलिटीज ने उन्हें ऐसी सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराए जिसके कारण उनका देश के लिए खेलने का सपना पूरा हो सका। उन्हें और भी बड़ी संस्थाओं से नौकरी के ऑफर मिले लेकिन उन्हें अपनी विद्युत निगम को छोड़ने का कभी मन नहीं हुआ।

दानिश मुजतबा ने बताया कि उनका पूरा परिवार हॉकी का खिलाड़ी रहा है। अपने छात्र जीवन में उन्हें जो उपलब्धियां मिली उससे जूनियर और सीनियर विश्वकप में खेलने का रास्ता बन गया।

यह बेहद सुखद इत्तेफाक था कि वर्ष 2011 में जब राज्य के एक पुरस्कार वितरण समारोह में वे तत्कालीन मुख्यमंत्री और ऊर्जा सचिव से रूबरू हो रहे थे तब मुख्यमंत्री ने अपने अधिकारियों से यह जानना चाहा कि क्या हम इस नौजवान को यू.पी. स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉर्पोरेशन में नौकरी दे सकते हैं? एक घंटे के भीतर यह खबर मिल गई कि नौकरी पक्की हो गई है।

दानिश ने 2009 में राष्ट्रीय हॉकी टीम में पदार्पण कर लिया था और लंदन में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक (2012) तथा रियो ओलंपिक (2016) में भारतीय टीम में शामिल होने का गौरव मिला। दानिश याद करते है कि वे राजनांदगांव में अखिल भारतीय सर्वेश्वर दास हॉकी टूर्नामेंट में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ आ चुके है। उन्हें 2010 और 2014 के एशियाइ खेल, 2010, 2011 के एशियाइ चैम्पियन्स ट्रॉफी, और 2014 के राष्ट्रमण्डल खेल, 2015 के हॉकी विश्व लीग मैचों में, 2016 के चैम्पियन्स ट्रॉफी में खेलने का अवसर मिला था। अनेक स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाली टीमों के वे सदस्य रहे।

श्री दानिश मुजतबा का कहना है कि खेल ही ऐसी विधा है जो आपको शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त रखती है। जब शरीर स्वस्थ रहता है तो आप मानसिक रूप से तरोताजा रहते हैं और आपके कार्यक्षमता बढ़ती है। उन्होंने बताया कि उत्तरप्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन के अधिकारी खेल को प्रोत्साहित करते हैं। उनकी विद्युत कंपनी में खेल के लिए अलग से विभाग ही है, जहां खिलाड़ियों को ही भर्ती किया जाता है। उन्हें विद्युत मंडल की सेवा में भर्ती के लिए विशेष कोटा प्रदान किया जाता है, ताकि उनके राज्य में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर मिल सके।

उन्होंने कहा कि उनके जीवन में खेल एक जुनून है, जिसे पूरा करने वे पूरी ताकत लगा देते हैं। यही उनकी सफलता का राज है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में हॉकी के बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। अखिल भारतीय स्तर पर जूनियर टीम में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है। राज्य सरकार को छत्तीसगढ़ में हॉकी को प्रोत्साहित करना चाहिए। श्री मुजतबा बताते है पॉवर कंपनी ने मेरे खेल को और बेहतर बनाने के लिए पर्याप्य समय और सुविधाएं मुहैया कराईं। हमारी पॉवर कंपनी में खेल का अलग से सेल है, वहां विभिन्न खेल अधिकारी पदस्थ हैं। वे पॉवर कंपनी के कर्मियों में से अच्छा खेलने वालों का चयन करते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देकर बेहतर खिलाड़ी बनाते हैं। उन्हें ना केवल अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण मंडल की स्पर्धाओं में बल्कि दूसरे आयोजनों में भी भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। हमारे यहां नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाता है ताकि सभी कर्मियों में खेल के प्रति रूझान बढ़े।

श्री मुजतबा का कहना है कि भारतीय हॉकी अपने स्वर्णयुग पर पहुंचकर वापस लौट चुकी है और इसकी सबसे बड़ी वजह उच्च स्तर से पर्याप्त समर्थन नहीं मिलना है। महिला हॉकी टीम को एक राज्य की सरकार प्रायोजित करती है लेकिन जो दुनिया के नंबर वन रईस कहे जाते है उनका सहयोग नहीं मिलता। भारत की आर्थिक रूप से संपन्न संस्थाएं यदि साथ दें तो कोई आश्चर्य नहीं कि भारतीय हॉकी अपना खोया हुआ गौरव हासिल कर सकती है।

▪ **गोविंद पटेल**
प्रकाशन अधिकारी
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, रायपुर



बिजली की कहानी 2

उमेश कुमार मिश्र
अतिरिक्त महाप्रबंधक, जनसंपर्क
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज



फोटो- भाटागांव, रायपुर से निकाला हुआ डीजी सेट, टॉउन हॉल रायपुर में

सबसे पहले बिजली का सुख तत्कालीन राजाओं, महाराजाओं को मिला। सन् 1915 में सरगुजा में, 1924 में सारंगढ़, 1926 में छुईखदान, 1928 में राजनांदगांव और रायपुर, 1929 में जगदलपुर और बैकुण्ठपुर, 1930 में खैरागढ़, 1931 में रायगढ़, 1934 में बिलासपुर और 1941 में जशपुर में डीजी सेट्स के माध्यम से सीमित क्षेत्र में बिजली प्रदाय होना बताया जाता है। छत्तीसगढ़ के रायपुर के भाटागांव नामक स्थान पर मार्शल सन्स एण्ड कंपनी, गेंसबोरो द्वारा निर्मित डीजी सेट लगाया गया था जो विशेषकर जल आपूर्ति के था। रायपुर में सार्वजनिक उपयोग में बिजली की सेवाओं की शुरूआत 1928 में हुई थी जिसके प्रतीक स्वरूप यह डीजी सेट रायपुर कलेक्टरेट स्थित टाउन हॉल के प्रांगण में जनता के अवलोकनार्थ रखा गया है।

बिजली के उत्पादन, पारेषण और वितरण को लेकर इतिहास ने एक करवट तब ली थी जब विश्व युद्ध की विभीषिका (सन् 1939-1945) के बाद, अंग्रेज शासकों को यह समझ में आ गया था कि बिजली की सुविधाएं व्यापक तौर पर उपलब्ध न होने से क्या असुविधाएं हो सकती हैं और अगर बिजली का विकास हो गया होता तो क्या कमाल हो सकता था। उस समय जबलपुर में 4,500 किलोवॉट क्षमता का विद्युत गृह स्थापित हो चुका था लेकिन वह सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से भी बेहद नाकाफी साबित हुआ था। इसलिए युद्ध के तुरंत बाद सीपी एण्ड बरार के वक्त, गंभीर चिंतन शुरू हुआ और सन् 1945 में मद्रास के मुख्य विद्युत अभियंता सर हेनरी होवार्ड को परामर्शदाता नियुक्त किया गया। उनकी अनुशंसा पर नागपुर, अकोला, जबलपुर के साथ बिलासपुर विद्युत जिले की स्थापना की गई थी। इस तरह ब्रिटिश कालीन विद्युत मानचित्र में छत्तीसगढ़ में बिलासपुर का नाम पहले विद्युत जिले के रूप में दर्ज हुआ। बिलासपुर जिले के अंतर्गत छत्तीसगढ़ का बहुत बड़ा क्षेत्र आता था। वास्तव में 19वीं सदी की शुरूआत से डीजी सेट्स का जो दौर चल रहा था, उससे आगे निकलने और ताप विद्युत उत्पादन का महत्व समझने के दौर की यह नई शुरूआत थी।

प्रथम पंचवर्षीय योजना

प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरूआत के समय वर्ष 1951 के पहले डीजी सेट्स की स्थापना के क्रमिक इतिहास के सम्पूर्ण दस्तावेजी प्रमाण नहीं मिलते लेकिन जनश्रुतियों के आधार पर कहा जाता है। सन् 1910 के बाद कई स्थानों पर डीजी सेट्स लगे। वर्ष 1948 में भारतीय विद्युत अधिनियम लागू होने के बाद व्यापक सार्वजनिक हित और आम जनता के विकास के लिए वृहद विद्युत गृहों का मार्ग प्रशस्त हुआ जो किलोवॉट की सीमाओं से बाहर निकलकर मेगावॉट की ऊंचाईयां चढ़ने लगे।

प्रमथनाथ से श्रीनाथ मेहता तक

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर ताप विद्युत उत्पादन की आवश्यकता और भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना की कहानी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। भिलाई स्थित वरिष्ठ पत्रकार मोहम्मद जाकिर हुसैन ने भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना के इतिहास पर काफी गंभीरता से काम किया है। उनकी लिखी किताबों को भिलाई इस्पात संयंत्र प्रशासन द्वारा ना सिर्फ मान्यता दी गई है बल्कि उन्हें प्रकाशित भी कराया गया है। श्री जाकिर से इस संबंध में बहुत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। उन्होंने स्व. प्रमथनाथ बोस के नाम का जिक्र किया। जिनके बारे में बहुत सी जानकारी इंटरनेट पर उपलब्ध है। श्री बोस सन् 1880 में भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग में भर्ती हुए थे। उन्होंने देश के अनेक भागों में सर्वेक्षण करके भू-गर्भीय खनिज भण्डारों का पता लगाया था। दल्ली राजहरा, रावघाट, बैलाडीला जैसे सघन वन क्षेत्रों में आयरन ओर के भण्डार चिन्हित करने में उनका प्रथम योगदान माना जाता है। इसी आधार पर सन् 1900 के आसपास जमशेदजी टाटा ने भिलाई में इस्पात संयंत्र लगाने के लिए संभावनाएं तलाशी थी। लेकिन यहां बात बनी नहीं और जमशेदपुर आबाद हो गया। सीपी एण्ड बरार के तत्कालीन मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल ने 3 दशक बाद भिलाई में इस्पात संयंत्र स्थापित करने के लिए विचार शुरू किया तो उसका एक आधार स्वर्गीय प्रमथनाथ बोस की



श्री जाकिर, भिलाई



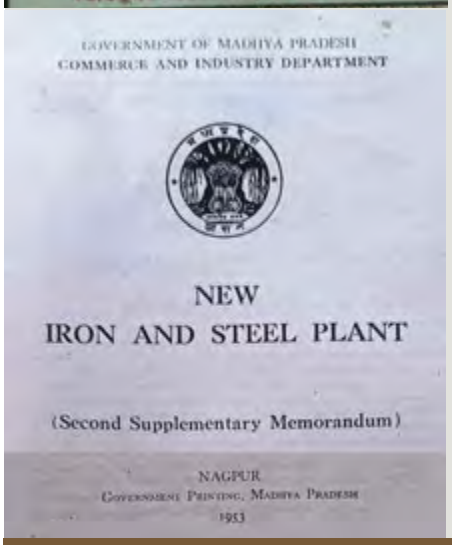

भारतीय विद्युत अधिनियम 1948 को जम्मू-कश्मीर को छोड़कर पूरे भारत में 1 सितंबर 1948 को लागू किया गया। 9 सितंबर 1950 को मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल का गठन हुआ जिसके पहले अध्यक्ष कर्नल ई.जी. मैकी बनाए गए। मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल को आजाद भारत का पहला विद्युत मण्डल होने का गौरव मिला जिसमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था। आजाद भारत के पहले विद्युत मण्डल का पहला बिजलीघर खापरखेड़ा में स्थापित हुआ। इस 3×10 अर्थात 30 मेगावॉट के बिजलीघर के बॉयलर में अग्नि प्रज्ज्वलन 27 अगस्त 1950 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के हाथों हुआ था। श्री मैकी के बाद श्री एन.पी. श्रीवास्तव मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अध्यक्ष बने और उसके बाद 1956 में श्री एस.एन. मेहता को मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल का अध्यक्ष बनाया गया। ये वही श्रीनाथ मेहता है जिन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र, कोरबा पूर्व विद्युत गृह की परिकल्पना में बड़ा योगदान किया था। श्री मेहता 16 वर्षों तक मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अध्यक्ष रहे जो अपने आप में एक कीर्तिमान है। उस जमाने में ही कोरबा के ऊर्जा राजधानी के रूप में स्थापित होने की शुरूआत हुई थी।

फोटो सौजन्य- श्री गिरीश मेहता (स्व. श्रीनाथ मेहता के निजी एलबम से)

रिपोर्ट थी। वहीं ब्रिटिश प्रशासन में आई.सी.एस. ऑफिसर रहे श्रीयुत श्रीनाथ मेहता जो रायपुर में डिप्टी कमिश्नर थे, उन्हें पं. रविशंकर शुक्ल ने एक बार फिर संभावनाएं तलाशने और सर्वेक्षण के कार्यों में लगाया। श्रीनाथ मेहता बाद में मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के अध्यक्ष भी बने। श्री मेहता की रिपोर्ट ''न्यू आयरन एण्ड स्टील प्लांट इन सेंट्रल इंडिया'' चार वॉल्यूम में तैयार की गई। बताया जाता है कि श्री मेहता घोड़े पर बैठकर सर्वे के लिए जाते थे। उनकी रिपोर्ट में यह बात दर्ज है कि भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए लौह अयस्क कहां से आयेगा, पानी कहां से आयेगा और बिजली कहां से आयेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए कोरबा पूर्व

उसी रिपोर्ट में यह भी दर्ज था कि भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए बिजली की जरूरत कोरबा से पूरी होगी। कोरबा में मुख्य नदी हसदेव है, जो कोरबा जिले के मध्य से बहती है, जिसका उद्गम छोटा नागपुर की घाटी से है। इस नदी की कुल लंबाई 233 कि.मी. है इसकी सहायक नदियां गेजकोराई, टैन और अहिरन हैं। इसके साथ ही कोयला क्षेत्र में कई कोयला खदानें हैं, जिनमें गेवरा, कुसमुंडा, और दीपका प्रमुख हैं। गेवरा क्षेत्र, एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदानों में से एक है। नदी का पानी, कोयले की खदानों के कारण उन्होंने पिट हेड पॉवर स्टेशन की परिकल्पना की थी। यह रिपोर्ट हाथ में आने के बाद पंडित शुक्ल ने तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को सहमत करने का बीड़ा उठाया। कहा जाता है कि पहले अमेरिका से यह चर्चा की गई थी कि भारत में इस्पात संयंत्र की स्थापना में मदद करें लेकिन अमेरिकी प्रशासन द्वारा रूचि नहीं दिखाये जाने के बाद सोवियत संघ की ओर रूख किया गया। स्टालिन के निधन के बाद जब भारतीय प्रतिनिधिमण्डल सोवियत संघ गया तो 1 मिलियन टन क्षमता के स्टील प्लांट की बात से शुरूआत हुई लेकिन सोवियत संघ ने आगे बढ़कर 10 मिलियन टन क्षमता का स्टील प्लांट लगाने की पेशकश कर दी। फिर एक बार यह पहल गति पकड़ी और सोवियत संघ ने सहर्ष सहयोग करने का वादा किया। इस तरह 2 फरवरी 1955 को भिलाई इस्पात संयंत्र की स्थापना हेतु अनुबंध पर हस्ताक्षर हुए और रूस के तकनीकी सहयोग से वर्ष 1955 में भिलाई इस्पात संयंत्र की आधारशिला रखी गई। उल्लेखनीय है कि उस समय सोवियत संघ की सहायता से भिलाई इस्पात संयंत्र, रूस ने न सिर्फ प्रौद्योगिकी दी बल्कि मानव संसाधन भी उपलब्ध कराए। लंबे समय तक रूस के इंजीनियर भिलाई में रहे। भिलाई में उनकी रशियन कॉलोनी और श्रमिकों के लिए बनाए गए कैम्प आज भी अस्तित्व में है। भिलाई इस्पात संयंत्र के निर्माण के लिए भिलाई पॉवर हाउस में बिजलीघर स्थापित किया गया जो बड़ी क्षमता के डीजी सेट्स के रूप में था लेकिन वास्तव में संयंत्र को चलाने के लिए जिस पैमाने पर बिजली की जरूरत थी, वह कोरबा से ही पूरी की जा सकती थी। हालाकि इस बीच भिलाई इस्पात संयंत्र में भी एक कैपटिव पॉवर प्लांट स्थापित करने की योजना बनी। मोटे तौर स्वर्गीय प्रमथनाथ बोस और स्वर्गीय एस.एन. मेहता ने जो लकीरें खींची थी उस पर रंग भरते हुए भिलाई इस्पात संयंत्र भी बना और कोरबा का बिजलीघर भी। कहा जाता है कि हर शनिवार की रात पं. नेहरू भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर स्टील प्लांट की प्रगति की मॉनिटरिंग करते थे। कोई भी विदेशी प्रतिनिधिमण्डल भारत आता था तो उसे भिलाई इस्पात संयंत्र देखने के लिए भेजते थे। दूसरी पंचवर्षीय योजना काल 1956 से 1960 के बीच छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास का सूत्रपात हुआ जिसकी अगुवाई ऊर्जा तथा





इस्पात उत्पादन के साथ हुई।

नई औद्योगिक क्रांति - 440 मेगावॉट बिजली

औद्योगिक क्रांति - 440 मेगावॉट बिजली

नये मध्यप्रदेश के गठन के बाद 25 जून, 1957 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कैलाशनाथ काटजू ने कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह की आधारशिला रखी। कोयलाधारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) सी.बी.ए. अधिनियम 1957 के तहत भूमि अधिग्रहण का कार्य प्रारंभ हुआ। 25 जून 1957 को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री कैलाशनाथ काटजू द्वारा मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल के कोरबा पॉवर हाउस का शिलान्यास किया गया। इस तरह कोरबा में विद्युत गृहों की स्थापना का कार्य शुरू हुआ जिसे बाद में कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह संकुल के रूप में विकसित किया गया। जिसके विद्युत गृह क्रमांक 2 में कुल 200 मेगावॉट क्षमता की ताप विद्युत इकाइयां स्थापित की गई। यहां 50 मेगावॉट की पहली इकाई 22 अक्टूबर 1966 को क्रियाशील हुई। 50 मेगावॉट की द्वितीय इकाई 16 जुलाई 1967 को क्रियाशील हुई। 50 मेगावॉट की तीसरी इकाई 28 मार्च 1968 को क्रियाशील हुई तथा 50 मेगावॉट की चौथी इकाई 31 अक्टूबर 1968 को क्रियाशील हुई। मध्यप्रदेश की बढ़ती हुई विद्युत मांग को देखते हुए कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह संकुल में 120-120 मेगावॉट की दो नई इकाइयां प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। इस 240 मेगावॉट क्षमता के बिजलीघर को विद्युत गृह क्रमांक 3 के रूप में जाना जाता है। इसमें 120 मेगावॉट की प्रथम इकाई 24 मार्च 1976 को तथा 120 मेगावॉट की दूसरी इकाई 5 अप्रैल 1981 को क्रियाशील हुई।

यह दौर औद्योगिक क्रांति का शुरूआती दौर था इसलिए बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही थी। तत्कालीन राज्य सरकार ने कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह संकुल से दोगुनी क्षमता के बिजलीघर हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम संकुल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। 210-210 मेगावॉट की चार इकाइयों में से प्रथम इकाई 21 जून 1983 को, द्वितीय इकाई 30 मार्च 1984 को, तृतीय इकाई 26 मार्च 1985 को तथा चतुर्थ इकाई 13 मार्च 1986 को क्रियाशील की गई। इस तरह वर्ष 1986 तक कोरबा में 1280 मेगावॉट क्षमता की ताप विद्युत इकाइयों की स्थापना हो चुकी थी।

इस समय तक प्रदेश में एक भी जल विद्युत इकाई नहीं थी। ताप और जल विद्युत इकाइयों का संतुलन होना किसी भी विद्युत प्रणाली में अच्छा माना जाता है। जब ताप विद्युत इकाइयां बंद होती हैं तो उन्हें पुनः प्रारंभ करने में समय लगता है तथा बाहर से विद्युत आपूर्ति की आवश्यकता होती है ऐसे समय के लिए जल विद्युत इकाइयों की मदद लेनी होती है। जब प्रदेश में जल विद्युत इकाइयों की स्थापना का सवाल आया तो बस्तर में इंद्रावती तथा कोरबा की हसदेव नदी पर विचार किया गया। बस्तर की बोधघाट परियोजना में बांध का निर्माण आखिर तक नहीं हो पाया और यह परियोजना अनेक बाधाओं का शिकार हो गई। इसके विपरीत हसदेव-बांगो जल विद्युत परियोजना मुकम्मल हो गई। इस संकुल में 40-40 मेगावॉट की तीन इकाइयों की स्थापना के सहयोग से कुल 120 मेगावॉट जल विद्युत उत्पादन का लक्ष्य रखा गया। इस तरह हसदेव-बांगो जल विद्युत परियोजना की प्रथम इकाई 21 मार्च 1994 को, द्वितीय इकाई 21 नवंबर 1994 को तथा तृतीय इकाई 11 जनवरी 1995 को क्रियाशील की गई। इस तरह छत्तीसगढ़ में, अलग राज्य निर्माण के पहले तक 1400 मेगावॉट विद्युत उत्पादन क्षमता अर्जित कर ली गई। जो अविभाजित मध्यप्रदेश में तथा उसके एक हिस्से के रूप में छत्तीसगढ़ में विद्युत आपूर्ति का कार्य कर रही थी। हालाकि छत्तीसगढ़ अंचल को इस बात की गंभीर शिकायत थी कि छत्तीसगढ़ में उत्पादित बिजली का ज्यादातर उपयोग छत्तीसगढ़ अंचल में नहीं हो पाता।



निश्चित तौर पर कोरबा पूर्व को नये मध्यप्रदेश के सबसे पहले बिजलीघर का गौरव प्राप्त है। फिर तो कोरबा पश्चिम, चचाई, बिरसिंगपुर और सारनी में लगातार बिजलीघर बने। शुरूआती दौर में 33 के.वी. की पारेषण लाइनें ही थी जो आसपास के क्षेत्रों में विद्युत पारेषण का काम करती थी। 66 के.वी. लाइन्स के लिए भी काम शुरू हुआ था जो बहुत अधिक आगे नहीं बढ़ा। सारनी से पनारा, बरकुही, छिंदवाड़ा, सौंसर, सावनेर, जबलपुर तथा कटनी के बीच 66 के.वी. लाइन थीं। 66 के.वी लाइनों का दौर इतना छोटा था कि अन्य स्थानों के इंजीनियरों ने भी इसे देखा नहीं था। लेकिन बढ़ते बिजलीघरों की बढ़ती क्षमता के कारण 132 के.वी. क्षमता की लाइनों पर जल्दी ही काम चालू हो गया। उस दौर में सीमेंट-लोहे के खम्भे नहीं होते थे, लकड़ी के पोल ही होते थे। अभी भी बहुत से देशों में लकड़ी के खम्भो का प्रचलन है। इसी तरह बिजली घर में सभी इकाइयां एक साथ नहीं चलती थी। बिजली की मांग बढ़ाने के लिए प्रयास करना पड़ता था और जिस दिन सभी इकाइयां एक साथ चलती थी उस दिन बिजलीघरों में मिठाई बांटी जाती थी।

एस.पी. चतुर्वेदी, पूर्व प्रबंध निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी

छत्तीसगढ़ राज्य गठन अर्थात् 1 नवम्बर 2000 के बाद ही प्रदेश में राज्य क्षेत्र में नई विद्युत उत्पादन इकाइयों का नया दौर शुरू हुआ। इस बीच पारेषण तथा वितरण क्षमता के विकास को लेकर बहुत बड़े पैमाने पर काम हुये। वास्तव में यह कोरी स्लेट पर नई लिखावट जैसा ही काम था। जिसकी चर्चा अलग-अलग खण्डों में करना उचित होगा। **क्रमशः 3 आगामी अंक में...**

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले में विद्युत अधोसंरचना विस्तार



नवीन जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में जनवरी 2024 से लेकर नवम्बर 2024 तक 33/11 के.वी. क्षमता के 2 उपकेंद्र, 2 पॉवर ट्रांसफार्मर, 235 वितरण ट्रांसफार्मर, 33 के.वी. क्षमता की 15.25 किलोमीटर लाइन, 11 के.वी. क्षमता की 75.60 किलोमीटर लाइन, निम्न दाब की 202.00 किलोमीटर लाइन, कृषि सिंचाई पंप कनेक्शन के 1139 कार्य, 1767 घरेलू कनेक्शन, गैर घरेलू के 254 कनेक्शन, पेयजल हेतु 32 कनेक्शन एवं औद्योगिक प्रयोजन हेतु 06 कनेक्शन, पी.एम. जनमन योजना के अंतर्गत नए कनेक्शन के 341 कार्य स्वीकृत किए गए। अधिकांश कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। विकासखण्ड खैरागढ के ग्राम खम्हारडीह में 3 करोड़ 36 लाख रू. की लागत से 33/11 के.वी. उपकेंद्र का निर्माण किया गया है। इस उपकेन्द्र में 01 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 03 फीडर निकलते हैं। वर्तमान में कुल 23 ग्रामों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है। लगभग 4850 उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है। विकासखण्ड गंडई के ग्राम धोधा में 2 करोड़ 30 लाख रू. की लागत से 1 नग 33/11 के.वी. उपकेन्द्र का निर्माण किया गया है। 1 नग 3.15 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है जिससे 11 के.वी. के 03 फीडर निकलते हैं। जिसमें वर्तमान में कुल 22 ग्रामों को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है इससे इन ग्रामों के लगभग 6540 से अधिक उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की जा रही है। विकासखण्ड खैरागढ़ के ग्राम मंडला में विद्यमान 33/11 के.वी. उपकेन्द्र में 3.15 एम.वी.ए. के अतिरिक्त नये पॉवर ट्रांसफार्मर को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया। इस प्रकार मंडला उपकेन्द्र की क्षमता 5 एम.वी.ए. से बढ़कर 8.15 एम.वी.ए. हो गई है। इस अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर के लग जाने से लगभग 20 ग्रामों के लगभग 3400 उपभोक्ताओं की विद्युत प्रदाय की स्थिति और बेहतर हो गई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्राम कुम्ही में 40 करोड़ रूपये की लागत से 23.5 किलोमीटर लम्बी 132 के.वी. डी.सी.डी.एस. ठेलकाडीह-खैरागढ़ कुम्ही पारेषण लाइन एवं 132/33 के.वी. का उपकेन्द्र पूर्ण कर ट्रांसमिशन कंपनी के द्वारा 40 एम.वी.ए. क्षमता का पॉवर ट्रांसफार्मर उर्जीकृत किया गया। इस उपकेन्द्र के ऊर्जीकृत होने से खैरागढ़ शहर सहित लगभग 76 गॉव एवं लगभग बीस हजार उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण निर्बाध बिजली आपूर्ति का लाभ मिल रहा है। नवनिर्मित कुम्ही 132/33 के.वी. उपकेन्द्र से मुढ़ीपार, छुईखदान, बैहाटोला, मंडला, बाजार अतरिया, गंडई एवं ईटार फीडर के माध्यम से विद्युत सप्लाई प्रदाय की जा रही है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के ग्रामीण अंचलों में विद्युत व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक नया आयाम जोड़ते हुए 132/33 के.वी. उच्चदाब उपकेंद्र कुम्ही (खैरागढ़) में एसटीएन योजना के तहत लगभग 95 लाख रूपये की लागत से निर्मित नये 33 के.वी. फीडर अतरिया एवं बइहाटोला को ऊर्जीकृत किया गया है। लगभग साढ़े 25 किलोमीटर लंबाई के इन नवीन लाइनों के ऊर्जीकृत होने से अतरिया, बइहाटोला एवं छुईखदान 33/11 के.वी. उपकेन्द्रों की विद्युत व्यवस्था और बेहतर हो गई। पूर्व में अतरिया, बइहाटोला एवं छुईखदान उपकेन्द्रों के लिए विद्युत की सप्लाई गंडई एवं ठेलकाडीह उच्च दाब उपकेंद्र से की जा रही थी। लंबी दूरी के कारण ओवरलोड, लो वोल्टेज एवं ट्रिपिंग जैसी समस्याएं आती रहती थी। 132/33 के.वी. उच्चदाब उपकेंद्र कुम्ही (खैरागढ़) से नये 33 के.वी. फीडर अतरिया एवं बइहाटोला बना दिया गया है। अब तीनों उपकेंद्रों को दोनों नये फीडरों से ऊर्जीकृत किये जाने से विद्युत व्यवस्था बेहतर हो गई है। जिससे उपभोक्ताओं एवं किसानों को निर्बाध रूप से उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है। जिससे क्षेत्र में लगभग 58 ग्रामों के 9969 विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित हैं।



खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के 70 ग्रामों में लो-वोल्टेज की समस्या चिन्हित की गई है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए वर्तमान में सभी ग्रामों में अतिरिक्त वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित करने का प्राक्कलन स्वीकृत किया जा चुका है तथा अभी तक 60 ग्रामों में ट्रांसफार्मर स्थापित कर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष के कार्य प्रगति पर हैं। नये उपकेंद्र के निर्माण हेतु 14 कि.मी. 33 के.वी. लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है। वैकल्पिक व्यवस्था हेतु 75 कि.मी. 11 के.वी. लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है। खैरागढ़ जिले के विभिन्न ग्रामों में लो-वोल्टेज की समस्या के स्थायी निराकरण हेतु 202.00 कि.मी. एलटी लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण किया गया है। जिले के 1139 नग उपभोक्ताओं को कृषि सिंचाई पंप हेतु विद्युत लाइन का विस्तार कर विद्युत कनेक्शन प्रदाय किया गया है। जिले में 341 नग अविद्युतीकृत बी.पी.एल. परिवारों को 1 जनवरी से नवम्बर 2024 तक विद्युत कनेक्शन प्रदाय कर दिया गया है।

▪ **धर्मेंद्र शाह मंडावी**
सहा. प्रकाशन अधिकारी
राजनांदगांव क्षेत्र

CSPTCL

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
सी.आई.एन. - U40108CT2003SGC015820
कार्या. मुख्य अभियंता (मा.सं.)
वेबसाईट- www.cspc.co.in, ई मेल - hr.csptcl@cspc.co.in,
दूरभाष - 0771-2574300, फैक्स -0771-2262141

क्रमांक 01-01/पीडी-दो/7068 रायपुर, दिनांक 23 OCT 2024

आदेश

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज में कार्यरत नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों एवं कार्यभारित कर्मचारियों जिनके द्वारा दिनांक 01.04.2016 से पुनरीक्षित वेतनमान प्राप्त किया जा रहा है, को देय महंगाई भत्ते की वर्तमान दर 50% को दिनांक 01.07.2024 से निम्नानुसार संशोधित किया जाता है –

प्रभावी तिथि	देय मंहगाई भत्ता प्रतिमाह
01.07.2024	मूल वेतन का 53% (तीरपन प्रतिशत)

2/ (i) संशोधित दर के मान से महंगाई भत्ते का नियमित भुगतान माह अक्टूबर 2024 के वेतन के साथ किया जाएगा।

(ii) माह जुलाई 2024 से सितम्बर 2024 तक देय महंगाई भत्ते की बकाया राशि का भुगतान माह अक्टूबर 2024 से दिसम्बर 2024 के वेतन के साथ तीन समान किश्तों में किया जाएगा।

3/ पावर कंपनीज के ऐसे अधिकारियों/कर्मचारियों को जो माह अक्टूबर 2024 से माह दिसंबर के मध्य सेवानिवृत्त हो रहे हैं उन्हें महंगाई भत्ते की एरियर्स की राशि का भुगतान सेवानिवृत्ति माह तक पूर्ण कर लिया जाए।

/ महंगाई भत्ते के भुगतान हेतु गणना के लिए 50 पैसा या उससे अधिक के अंश को एक रूपये तथा 50 पैसा से कम अंश को गणना में नहीं लिया जाएगा।

(सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित)

(ए.के.अम्बस्थ)
मुख्य अभियंता (मा.सं.)
छ.ग.स्टेट पावर ट्रां.कं.लिमि., रायपुर

क्रमांक 01-01/पीडी-दो/7069 रायपुर, दिनांक 23 OCT 2024

CSPTCL

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)
CIN - U40108CT2003SGC015820
O/o CE (HR), CSPTCL, Dangania Raipur 492013
Website- www.cspc.co.in, E-Mail- cseb.health@gmail.com
Phone -0771-2574113,6060,4040

क्रमांक 01-01/एचआरए/7070 रायपुर, दिनांक 23 OCT 2024

प्रति

कार्यपालक निदेशक/महाप्रबंधक (वित्त)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन/ट्रांसमिशन/डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी,
रायपुर।

विषय– मकान किराया भत्ता में वृद्धि बाबत।

पॉवर कंपनीज में दिनांक 05.09.2017 सहपठित 17.10.2017 द्वारा जारी वेतन पुनरीक्षण आदेश में वर्णित है कि महंगाई भत्ते की दर 50% से अधिक होने पर मकान किराया भत्ता की दर X, Y एवं Z class city हेतु क्रमशः 30%, 20% एवं 10% संशोधित (revised) की जायेगी।

अतः छ.ग.स्टेट पावर कंपनीज के ऐसे नियमित अधिकारी/कर्मचारी एवं कार्यभारित कर्मचारी जो दिनांक 01.04.2016 से पुनरीक्षित वेतनमान प्राप्त कर रहे हैं, का देय मकान किराया भत्ता की संशोधित दरें Y class city हेतु 20% व Z class city हेतु 10% 01 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी।

अति.मुख्य अभियंता (मानव संसाधन)
छग.स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

मेरा घर
पीएम सूर्यघर





श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

अपने घर की छत पर अपना बिजली घर

प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली

प्लांट लगाने 30 हजार से 78 हजार रुपए तक सब्सिडी

स्वयं उत्पादित बिजली उपयोग न करने पर समायोजन की सुविधा

ऑनलाइन आवेदन, आसान रजिस्ट्रेशन

7 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक-ऋण की सुविधा

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

www.pmsuryaghar.gov.in // Play Store - PMSURYAGHAR (Mobile App)

CSPDCL

बिजली के साथ सबका विकास

बीते बरस (वर्ष 2023-24) में

84.45%

पी.एल.एफ. अर्जित कर देश में
अव्वल स्थान हासिल



6,374 mw

बिजली आपूर्ति का नया कीर्तिमान

6,000 mw

इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन क्षमता विकास का लक्ष्य



10,000 mw

क्षमता के नये विद्युत गृह लगाने की दिशा में प्रयासरत

state power comp PR

हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे

सी एस पी जी सी एल CSPGCL

CSPTCL

CSPDCL